संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -11 शनिवार ,11 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

टीएमसी नेता के ठिकानों पर इनकम टैक्स का छापा

» बीजेपी से विधायक बनने पर छोड़ी थी पार्टी

» पारिवारिक व्यवसाय पर अंगुली उठाई जा रही है- विधायक

» बीजेपी से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे तन्मय

कोलकाता,10 नवम्बर 2023(ए)। आयकर विभाग के अधिकारियों ने बंगाल के बांकुड़ा के बिष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर जीतने के बाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए विधायक तन्मय घोष के आवास, दफ्तर, शराब की दुकान और चावल मिल और दूसरे ठिकानों पर करीब 53 घंटे तक छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय सशस्त्र बल के जवानों के साथ आयकर विभाग की पांच टीमों ने सुबह करीब 10 बजे से इन स्थानों पर तलाशी शुरू की थी। शुक्रवार दोपहर छापेमारी पूरी होने के बाद अधिकारी अपने साथ विभिन्न दस्तावेज ले गए। वहीं, तीसरे दिन तन्मय के ड्राइवर की तलाश की गई।

विधायक और उनके अकाउंटेंट अरूप सामंत से पूछताछ की गई। वहीं, तन्मय घोष ने कहा कि मुझे परेशान किया गया है। मैं किसी भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हूं। पारिवारिक व्यवसाय पर अंगुली उठाई जा रही है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि तन्मय घोष भी राशन घोटाले में शामिल हैं।

तन्मय घोष ने साल 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने उन्हें बिष्णुपुर निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया था और वो भाजपा के विधायक चुने गए। हालांकि, तन्मय भाजपा में बहुत कम समय के लिए थे और 30 अगस्त, 2021 को फिर से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए।

अखिल गिरि और उनके बेटे सुप्रकाश गिरि को समन

बता दें कि आयकर विभाग ने बंगाल के सुधार सेवा विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री अखिल गिरि और उनके बेटे सुप्रकाश गिरि को समन भेजा है। मंत्री और उनके बेटे दोनों को 13 नवंबर को कोलकाता में आयकर विभाग के कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

टेरर फंडिंग मामले में एनआईए का एक्शन

श्रीनगर, 10नवम्बर 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष जांच एजेंसी(एसआईए) ने आतंकवादी फंडिंग मामले में शुक्रवार को कश्मीर घाटी के कई जिलों में छापेमारी की। एसआईए के सूत्रों के मुताबिक अनंतनाग, पुलवामा तथा अन्य जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया कि छापे की कार्रवाई आतंकवादी फंडिंग से जुड़े मामले की चल रही जांच का हिस्सा हैं।इससे दो दिन पहले एसआईए ने आतंकवादी फंडिंग मामले में जम्मू कश्मीर और दिल्ली में 22 स्थानों पर छापेमारी की थी। इनमें श्रीनगर के 18, अनंतनाग और पुलवामा के एक-एक और दिल्ली के दो स्थान शामिल हैं। तलाशी अभियान के दौरान, बैंक दस्तावेज, कैश बुक, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, चेक बुक, मोबाइल फोन, सिम कार्ड के रूप में आपत्तिजनक सामग्री मिली थी।

यूपीएससी 2022 लिस्ट में 933 में से 682 का चयन होने का दावा

» खान सर के खिलाफ कार्रवाई

» उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई

» मुख्य आयुक्त निधि खरे और अनुपम मिश्रा ने दिये आदेश

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में रहने वाले खान सर की परेशानी बढ़ गई है। बढ़ा-चढ़ाकर दावा करने के लिए उन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए खान स्टडी ग्रुप पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।मिली जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के उल्लंघन को लेकर की गई है। मुख्य आयुक्त निधि खरे और अनुपम मिश्रा ने इस संबंध में आदेश दिये हैं।

तो खान सर पर लगा जुर्माना?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिविल सेवा परीक्षा हर साल केंद्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा के नतीजे आने के बाद कई कोचिंग क्लासेस अपने प्रचार के लिए बढ़ा-चढ़ाकर और कई बार तो झूठे दावे भी करते नजर आते हैं। इतना ही नहीं, कुछ सफल उम्मीदवारों की तस्वीरें पोस्टर और होर्डिंग्स पर लगाकर उन्हें अपना छात्र भी बताया जा रहा है। ऐसे ही एक मामले में खान स्टडी ग्रुप पर जुर्माना लगाया गया है।

सीसीपीए द्वारा जारी नोटिस

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक और बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने वाली कई कोचिंग फर्मों को नोटिस जारी किया है। इस सूची में खान स्टडी ग्रुप भी शामिल है। दरअसल, खान सर ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2022 में चयनित 933 छात्रों में से 682 छात्रों अपने होने का दावा किया था।

अवैध रूप से जमीन हड़पने के मामले में ईडी की कार्यवाही

11.82 करोड़ रुपए की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने गोवा में अवैध रूप से जमीन हड़पने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एस्टेवन डिसूजा, मोसेस फर्नांडिस और समीर कोरगांवकर की 11.82 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत संपत्तियों को कुर्क किया।एजेंसी ने कहा कि उनकी जांच से पता चला है कि आरोपी व्यक्तियों ने जमीन को अवैध रूप से हथियाने के उद्देश्य से उन संपत्तियों की पहचान की, जहां संपत्ति के वास्तविक मालिक की बिना किसी कानूनी उत्तराधिकारी के मृत्यु हो गई थी या कानूनी उत्तराधिकारी भारत से बाहर रह रहे थे।ईडी ने कहा, डिस्क्रिप्शन में फिट बैठने वाली संपत्तियों की पहचान करने के बाद, आरोपियों ने जालसाजी से और संपत्ति के मूल मालिक का प्रतिरूपण करके अपराध किया और बाद में अपने नाम पर सेल डीड या अपरिवर्तनीय पावर ऑफ अटॉर्नी निष्पादित करके, उन्होंने इन संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया।

ईडी का मामला पोरवोरिम पुलिस स्टेशन और आर्थिक अपराध सेल (ईओसी), गोवा द्वारा आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है, जो संपत्ति के मूल मालिक का रूप धारण करके अवैध रूप से जमीन या संपत्ति हड़पने और इस तरह खरीदारों को धोखा देने के संबंध में है।

केजरीवाल सरकार का बड़ा ऐलान

दिवाली के बाद लागू नहीं होगा ऑड-ईवन,

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। दिल्ली में वायु प्रदूषण के खतरनाक लेवल कम करने के लिए केजरीवाल सरकार ने 13 नवंबर से ऑड-ईवन सिस्टम को एक हफ्ते के लिए लागू करने का फैसला किया था, जिसे लेकर अब दिल्ली सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। राजधानी में दिवाली के बाद ऑड-ईवन लागू नहीं होगा।

दरअसल, बीती रात बारिश के बाद शुक्रवार को वायु प्रदूषण से राहत देखने को मिली है, जिसके बाद केजरीवाल सरकार ने ऑड-ईवन लागू करने के फैसले को फिलहाल टाल दिया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण के स्तर में सुधार देखा जा रहा है। एक्यूआई 300 के आसपास पहुंच गया है। ऐसे में 13 से 20 नवंबर तक ऑड-ईवन लागू करने का फैसला टाल दिया गया है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि कल रात से दिल्ली में मौसम में बदलाव हुआ है। प्रदूषण स्तर में लगातार सुधार देखा जा रहा है। इस समय तक एक्यूआई जो 450+ था, वह अब 300 के आसपास पहुंच गया है। जिसमें अभी और सुधार की स्थिति है

उन्होंने कहा कि 13 से 20 नवंबर तक ऑड-ईवन लागू करने का निर्णय स्थगित कर किया गया है। दिवाली के बाद फिर से स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा।

प्रदूषण पर सौरभ भारद्वाज का बयान वहीं इससे पहले प्रदूषण की स्थित पर दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, ÷दिल्ली की भूवैज्ञानिक स्थिति ऐसी है कि आस-पास के राज्यों से प्रदूषण का धुआं आता है। दिल्ली के आस-पास के राज्य प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन नहीं करते हैं। दिल्ली में बसें सीएनजी हो गई हैं, सभी थर्मल पॉवर प्लांट बंद हो गए हैं लेकिन आसपास के राज्यों में ऐसा नहीं है। सब राज्यों को कोशिश करनी पड़ेगी और केंद्र को भी भागीदारी देनी पड़ेगी।÷

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पर ईडी का शिकंजा

जब्त कर लीं 24.95 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन कांत मुंजाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत पवन कांत मुंजाल की 24.95 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा, दिल्ली स्थित मुंजाल की तीन अचल संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि मुंजाल हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के सीएमडी और चेयरमैन हैं और उनकी संपत्ति करीब 24.95 करोड़ रुपये है।

ईडी ने अगस्त में मुंजाल और उनकी कंपनियों के खिलाफ पीएमएलए मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी की थी, जो राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद दायर किया गया था, जिसमें उन पर अवैध रूप से भारत से विदेशी मुद्रा/मुद्रा ले जाने का आरोप लगाया गया था। ईडी ने कहा, अभियोजन पक्ष की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 54 करोड़ रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा/विदेशी मुद्रा अवैध रूप से भारत से बाहर ले जाया गया था।÷

अग्निवीर के लिए सेना में भर्ती होना अब हुआ और आसान

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। अग्निपथ योजना के अंतर्गत सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीर के लिए क्राइटेरिया को पहले के मुकाबले सरल किया गया है। पूर्व में इसे सामान्य सैनिकों की भर्ती संबंधी योग्यता के मुकाबले कुछ कठिन रखा गया था। हालांकि अब यह क्राइटेरिया एक जैसा कर दिया गया है। सेना ने इस संबंध में नई नीति जारी की है।हालांकि नई नीति जारी होने से पहले ही अग्निवीर का पहला बैच ट्रेनिंग पूरी कर अपनी-अपनी यूनिट्स में आ गया है। इन सब के पहले साल की योग्यता का आकलन पुरानी पॉलिसी यानी टफ क्राइटेरिया के हिसाब से ही किया गया है। अग्निवीर का आकलन पहले साल ट्रेनिंग सेंटर में और फिर तीन साल यूनिट में होना है। रेगुलर सैनिक के लिए 5000 फीट की ऊंचाई तक में 5 किलोमीटर की दौड़ 25 से 28 मिनट में पूरा करना होता है। वहीं अग्निवीर यह दौड़ 23 मिनट में पूरी करने पर सुपर एक्सिलेंट की श्रेणी में आते हैं। वहीं, रेगुलर सैनिक अगर 25 मिनट या उससे कम समय में भी दौड़ पूरी करते हैं तो वे एक्सिलेंट ही होंगे। यहां 23 मिनट में दौड़ पूरी करने की कोई श्रेणी ही नहीं है।

लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर 8 दिसंबर तक रोक

जयपुर ,10 नवम्बर 2023 (ए)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली गिरफ्तारी से राहत आगामी 8 दिसम्बर तक बरकरार रहेगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज करवाया गया कथित फोन टैपिंग मामला शुक्रवार को 3 बजे दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था। लेकिन मामले की सुनवाई नहीं हो सकी।दरअसल मामले में सुनवाई कर रहे जस्टिस विकास महाजन को किसी अन्य स्पेशल केस की सुनवाई के लिए डबल बेंच में जाना पड़ा। ऐसे में इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब अगली सुनवाई 8 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे होगी।

3 मुख्य न्यायाधीशों ने ली सुप्रीम कोर्ट के जज की शपथ

सुप्रीम कोर्ट में जजों की अधिकतम संख्या हुई पूरी

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट को आज तीन नए जज मिल गए और इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की अधिकतम संख्या पूरी हो गई। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने तीन हाईकोर्ट के मुख्य जजों जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस संदीप मेहता को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। तीनों न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में एक समारोह में अन्य न्यायाधीशों, वकीलों और अपने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में शपथ ली। तीन न्यायाधीशों के शपथ लेने के साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीश की संख्या पूर्ण यानी 34 हो गई है।

श्रीनगर में अवैध अनाथालय से 18 बच्चे लापता

श्रीनगर,10 नवम्बर 2023 (ए)। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले के एक अनाथालय से 18 बच्चों को लापता पाया।

सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के बाद, श्रीनगर उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने बिना पंजीकरण के चलाए जा रहे अनाथालय को सील कर दिया।

सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष खैर-उल-निशा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि समिति ने श्रीनगर के बेमिना के नुंद्रेशी कॉलोनी में अल-मिस्कीन यतीम ट्रस्ट का कई बार दौरा किया था, और ट्रस्ट प्रमुख से किशोर न्याय अधिनियम (जेजेए) के तहत अनाथालय को पंजीकृत करने के लिए कहा था।

अध्यक्ष ने कहा कि समिति ने शुक्रवार को ट्रस्ट का दौरा किया, तो उन्होंने पाया कि ट्रस्ट की इमारत पर ताला लगा हुआ था और 18 बच्चे अपने ठिकाने के बारे में कोई जानकारी दिए बिना गायब थे।

उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्ट को एसडीएम श्रीनगर ने सील कर दिया है क्योंकि यह अवैध रूप से चलाया जा रहा था। निशा ने कहा कि जब तक बच्चों को समिति के सामने पेश नहीं किया जाता तब तक उन्हें समिति के पास उपलब्ध कानूनी उपायों का पालन करने के लिए लापता माना जाएगा।

क्या साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों को रकम लौटाने के लिए फंड बनाएंगे?

रांची ,10 नवम्बर 2023 (ए)। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि साइबर फ्रॉड के शिकार हुए लोगों को तात्कालिक राहत किस प्रकार दी जा सकती है? क्या सरकार ठगी के शिकार लोगों की रकम की वापसी के लिए फंड बनाने का विचार रखती है?

जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने झारखंड में साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को सुनवाई की। इस दौरान सीआईडी के महानिदेशक अनुराग गुप्ता कोर्ट के समक्ष हाजिर हुए।उन्होंने झारखंड में साइबर क्राइम की जांच प्रणाली, साइबर सेल सहित साइबर फ्रॉड रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई के बारे में कोर्ट को जानकारी दी। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार साइबर क्राइम की घटनाओं को लेकर चिंतित है। गुजरात में साइबर क्राइम के शिकार लोगों के पैसे वापस करने को लेकर एक मॉडल तैयार किया गया है, लेकिन उसमें कई कानूनी अड़चनें हैं। झारखंड सरकार गुजरात से बेहतर मॉडल

बनाने को लेकर प्रयासरत है, जिससे साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों को पैसा वापसी के मामले में राहत मिले।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि सरकार यह देखे कि साइबर फ्रॉड को कैसे कंट्रोल किया जाए, उसके शिकार लोगों के अकाउंट में पैसा कैसे भेजा जाए, इसके लिए एक स्कीम तैयार की जानी चाहिए। सरकार इस संदर्भ में एक प्रपोजल तैयार कर शपथ पत्र के माध्यम से उसे प्रस्तुत करें।कोर्ट ने मौखिक कहा कि साइबर फ्रॉड के लिए झारखंड का जामताड़ा इलाका काफी चर्चित है, इसलिए इसके रोकथाम एवं साइबर क्राइम के पीड़ितों को पैसा वापस देने के लिए झारखंड से एक बेहतर पहल होनी चाहिए।

कोर्ट ने मामले में इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से भी सुझाव मांगा है। उससे पूछा है कि साइबर क्राइम रोकने के लिए क्या प्रणाली है, लोगों की पैसे वापसी में उसकी क्या भूमिका हो सकती है? अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी। मामले में एमिकस क्यूरी के तौर पर सौम्या एस पांडे ने पक्ष रखा।

संपादकीय

सरकार का आटा बेचना

अचानक सरकार को आटा बेचने की बात क्यों सूझी? अनुमान लगाया जा सकता है कि इसकी वजह कुछ महीनों के बाद होने वाला आम चुनाव है। चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा ना बने, इसके लिए सरकार ने एहतियाती कदम उठाया है।

आर्थिक नीतियों पर बात करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो खास कथन रहा है। एक तो यह कि सरकार को कारोबार में नहीं रहना चाहिए और दूसरा यह कि वे लोगों को खैरात पर निर्भर रखने के बजाय उन्हें आत्म-निर्भर बनाना चाहते हैं। अब चूंकि मोदी को केंद्र की सत्ता में आए साढ़े नौ साल हो चुके हैं, इसलिए जब कभी उनकी सरकार इस सोच के खिलाफ काम करती दिखती है, तो उचित ही है कि उस पर सवाल उठाए जाते हैं। ऐसे ही प्रश्न सरकार के आटा बेचने के फैसले से उठे हैं। केंद्र ने नाफेड के जरिए कम दाम पर आटा बेचने की शुरुआत कुछ महीने पहले की थी। उस समय 'भारत आटा' नाम की योजना प्रायोगिक पहल रूप में शुरू की गई थी। अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू कर दिया गया है। यह आटा केंद्रीय भंडार, नाफेड और एनसीसीएफ के केंद्रों और मोबाइल वैनों के जरिए जगह-जगह बेचा जाएगा। धीरे-धीरे इसे सहकारी केंद्रों और खुदरा दुकानों तक भी पहुंचाने की योजना है। प्रायोगिक पहल के समय इसका दाम 29.50 रुपये प्रति किलो था।

अब कीमत दो रुपए और घटा दिया गया है। यानी सरकार इसे 27.50 रु. प्रति किलो की दर से बेचेगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस समय खुले बाजार में आटा औसतत 35.99 प्रति किलो के दाम पर बिक रहा है। हालांकि अच्छी क्वालिटी का आटा इससे काफी महंगा है। तो अब सवाल उठा है कि अचानक सरकार को आटा बेचने की बात क्यों सूझी? अनुमान लगाया जा सकता है कि इसकी वजह कुछ महीनों के बाद होने वाला आम चुनाव है। चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा ना बने, इसके लिए सरकार ने एहतियाती कदम उठाए हैं। इसी के तहत रसोई गैस के सिलिंडर की कीमत में 200 रु. की कटौती की गई थी। देश में खाने-पीने की चीजों के दाम लगातार बढ़े हुए हैं। सितंबर में कुल मिलाकर खुदरा मुद्रास्फीति 5.02 प्रतिशत थी। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति की दर 6.56 थी। तो अब सरकार ने एफसीआई के गोदामों से ढाई लाख मिट्रिक टन गेहूं अलग कर यह योजना शुरू की है। अब नजरें इसके असर को देखने पर टिकी हैं।

बागियों के भंवर में फंसी राजस्थान भाजपा

राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव के वोट डाले जाएंगे। प्रदेश में राज

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

बदलने के प्रयास में लगी भाजपा में बड़ी संख्या में बागी प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने संकट पैदा हो रहा है। राजस्थान में भाजपा ने इस बार बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों व पिछले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रह चुके लोगों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मैदान में उतारा है। भाजपा ने दूसरे दलों से आये दलबदलुओं को भी बड़ी संख्या में टिकट देकर उपकृत किया है। जिससे पार्टी में बगावत तेज हो गई है।

अपनी टिकट कटने से नाराज भाजपा सरकार में मंत्री रहे तीन बड़े नेताओं ने पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। इससे भाजपा प्रत्याशियों के समक्ष संकट व्याप्त हो गया है। वसुंधरा राजे के खासमखास रहे पूर्व मंत्री यूनुस खान ने डीडवाना, बंशीधर बाजिया ने खंडेला व कैलाश मेघवाल ने शाहपुरा से निर्दलिय ताल ठोक दी है। हालांकि कैलाश मेघवाल को कुछ दिनों पूर्व ही पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। इसके अलावा भाजपा में डग विधानसभा से पूर्व विधायक रामचंद्र सुनारीवाल, सांचौर सीट पर जालौर के सांसद देवजी पटेल के सामने पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, चित्तौड़गढ़ सीट पर विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी के सामने चित्तौड़गढ़ के मौजूदा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने नामांकन दाखिल कर दिया है।

बाड़मेर से पूर्व मंत्री गंगाराम

चौधरी की पोती प्रियंका चौधरी ने बगावत कर दी है। प्रियंका चौधरी पिछली बार पार्टी की प्रत्याशी रही थी। मगर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के नजदीकी होने के चलते हैं उनकी टिकट काट दी गई है। सूरतगढ़ सीट से पूर्व विधायक राजेंद्र भादू, बयाना से पूर्व प्रत्याशी रितु बनावत ने ताल ठोक दी है। रितु बनावत के पति ऋषि बंसल को भरतपुर के जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया गया हैं। बंसल पूर्व में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।कोटा जिले की लाडपुरा सीट पर तीन बार विधायक रह चुके भवानी सिंह राजावत ने दूसरी बार टिकट नहीं मिलने पर मैदान में ताल ठोक दी हैं। 2018 में भवानी सिंह राजावत का टिकट काटकर कोटा राजघराने की कल्पना देवी को भाजपा प्रत्याशी बनाया था। इस बार फिर लाडपुरा विधायक कल्पना देवी को ही प्रत्याशी बनाया गया है। इससे नाराज होकर भवानी सिंह राजावत ने निर्दलिय फॉर्म भर दिया है। झुंझुनू विधानसभा सीट पर पिछली बार भाजपा के प्रत्याशी रहे राजेंद्र भाम्भू के स्थान पर 2018 के चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़े निषित कुमार को टिकट देने से नाराज होकर राजेंद्र भाम्भू निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर गए हैं।

पिलानी विधानसभा सीट पर सात बार विधायक व मंत्री रहे सुंदरलाल के पुत्र कैलाश मेघवाल का टिकट काट देने से उन्होंने भी पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फॉर्म भर दिया है। कैलाश मेघवाल पिछले विधानसभा चुनाव में पिलानी से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव हार गए थे। सीकर सीट पर भाजपा के मौजूदा उप जिला प्रमुख ताराचंद घायल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फॉर्म भर दिया है। फतेहपुर सीट पर नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके मधुसूदन भिंडा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फॉर्म भरा है।

कोटपूतली सीट पर पिछली बार के प्रत्याशी मुकेश गोयल, लूणकरणसर से प्रभूदयाल सारस्वत, सुजानगढ़ से राजेंदर नायक, मकराना से हिम्मत सिंह राजपुरोहित, सवाई माधोपुर से आशा मीणा, संगरिया से गुलाब सींवर, मसूदा से जसवीर सिंह खरवा, बस्सी सीट पर भाजपा सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त जितेंद्र मीणा ने निर्दलिय फॉर्म भरा है।वहीं कपासन सीट पर राशमी पंचायत समिति प्रधान दिनेश बुनकर, गढ़ी सीट पर पूर्व प्रधान लक्ष्मण डिंडोर ने नामांकन फॉर्म भरकर भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी है। मावली सीट पर भाजपा के कुलदीप सिंह चुंडावत ने पार्टी से बगावत कर आरएलपी से नामांकन भर दिया है। कुंभलगढ़ सीट पर भाजपा के नीरज सिंह राणावत, अनोप सिंह ने भी निर्दलीय नामांकन भरा है।

भाजपा ने चुनाव से पहले दूसरे दलों से दल-बदल कर आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ से प्रत्याशी बनाया है जहां उनका मुकाबला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से होगा। कांग्रेस से सांसद रही ज्योति मिर्धा को भाजपा ने नागौर सीट पर मौजूदा विधायक सोहनलाल चौधरी का टिकट काटकर प्रत्याशी बनाया है। जहां उनका मुकाबला अपने ही चाचा व कांग्रेस प्रत्याशी हरेंद्र मिर्धा से होगा। ज्योति मिर्धा मारवाड़ के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती है। कोटपूतली से हंसराज पटेल, धौलपुर से डॉक्टर शिवचरण कुशवाहा, खंडेला से सुभाष मील, वल्लभनगर से उदयलाल डांगी, करौली से दर्शन सिंह गुर्जर बाड़ी से गिरिराज सिंह मलिंगा, सादुलपुर से सुमित्रा पूनिया को टिकट दिया गया है। सुमित्रा पूनिया कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया के पुत्रवधू है।

टोडाभीम सीट से रामनिवास मीणा को टिकट दिया गया है। पूर्वी नहर परियोजना को लेकर रामनिवास मीणा लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं और क्षेत्र में पानी वाले बाबा के नाम से जाने जाते हैं। शाहपुरा से उपेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। उपेन यादव राजस्थान बेरोजगार महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष है व पिछले लंबे समय से युवा बेरोजगारों की राजनीति कर रहे हैं।

भाजपा ने इस बार आदर्श नगर से अशोक परणामी, सिविल लाइन से अरुण चतुर्वेदी का भी टिकट काट दिया है। यह दोनों ही नेता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तथा वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं। कहने को तो भाजपा में कई वसुंधरा समर्थकों को टिकट मिलने की बात की जा रही है। मगर जिस तरह से प्रहलाद गुंजल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष घुटने टेक कर टिकट प्राप्त किया है उससे तो यही लगता है कि अब नाम को ही वसुंधरा समर्थक रह गए हैं। बाकी जिनको भी पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है उन सब से पार्टी के नाम पर वादे करवाए गए हैं। हालांकि वसुंधरा राजे स्वयं झालरापाटन से चुनाव लड़ रही है। मगर उनके बहुत से कट्टर समर्थकों को चुनावी मैदान से दूर कर भाजपा ने उन को उनकी औकात दिखा दी है।

अनुशासन के लिए विख्यात भाजपा में इस बार जिस तरह से टिकटों की बंदरबांट हुई है तथा दलबदलुओं को हाथों हाथ टिकट दी गई है। उससे पार्टी का चाल, चरित्र व चेहरा बेनकाब हो गया है। भाजपा में जो लोग वर्षो से काम कर रहे थे उनको भी इससे बहुत निराशा हुई है। जिस तरह से पार्टी ने टिकट बांटे हैं उसे देखकर तो यही लगता है कि भाजपा को चुनावी मैदान में कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

उफ! बिहार की दुर्दशा,सभी जिम्मेवार

बिहार सरकार ने सात नवंबर को विधानमंडल में बिहार की दुर्दशा के दस्तावेज पेश किए। इससे पहले दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर बिहार सरकार ने जाति गणना के आंकड़े जारी किए थे, जिससे पता चला था कि बिहार में 63 फीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है, अनुसूचित जाति की आबादी 20 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की आबादी एक फीसदी है, जबकि सवर्ण आबादी सिर्फ साढ़े 15 फीसदी है। इसके बाद सात नवंबर को बिहार सरकार ने इन जातियों की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति के आंकड़े पेश किए, जिससे इन सबकी सामूहिक दुर्दशा का पता चला। भारत सरकार का नीति आयोग बिहार में पिछड़ेपन और गरीबी के जो आंकड़े पिछले अनेक साले से पेश करता आ रहा है उन सबकी पुष्टि बिहार में हुए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से हो गई है। बिहार हर पैमाने पर देश का सबसे गरीब, पिछड़ा और अनपढ़ राज्य है, यह तथ्य स्थापित हुआ है।

बिहार के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि बिहार के 34 फीसदी परिवार की हर स्रोत से सामूहिक आय छह हजार रुपए महीने से कम है। इसका मतलब है कि अगर एक परिवार में पांच व्यक्ति हैं तो प्रति व्यक्ति मासिक आय 12 सौ रुपए यानी 40 रुपए रोज है। इसके बाद जो दूसरी श्रेणी है, जिनकी आय छह से 10 हजार के बीच है उनकी संख्या 29 फीसदी से कुछ ज्यादा है। इस श्रेणी के परिवारों की प्रति व्यक्ति आय दो हजार रुपए महीना यानी प्रतिदिन 70 रुपए से कम है। सोचें, बिहार के तीन में से दो व्यक्ति 70 रुपए रोज से कम आय वाले हैं! जिस बिहार के बारे में यह धारणा बनी है या बनाई गई है कि वहां से बड़ी संख्या में आईएएस-आईपीएस बनते हैं या आईआईटी-आईआईएम में जाते हैं वहां सिर्फ सात फीसदी लोग ग्रेजुएट हैं और महज एक फीसदी लोगों ने पोस्ट ग्रेजुएट तक पढ़ाई की है।

कुल 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार में सिर्फ पांच फीसदी लोग नौकरी करते हैं। इसमें सरकारी नौकरी करने वाले शामिल हैं तो साथ ही संगठित और असंगठित निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले भी हैं। बिहार को लेकर यह भी एक मिथक है कि यह कृषि प्रधान प्रदेश है लेकिन सरकार द्वारा पेश किए गए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और चार फीसदी से कुछ कम लोग स्वरोजगार करते हैं। सबसे ज्यादा 17 फीसदी लोग मजदूरी करते हैं। सरकार ने इसमें 67 फीसदी की एक श्रेणी अलग बनाई है, जिनको गृहिणी और विद्यार्थियों की श्रेणी कहा गया है। इसका मतलब है कि इतने लोग कोई काम नहीं करते हैं। सोचें, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला सशक्तिकरण के दावों के बारे में! महिलाओं के लिए कितना कुछ करने के दावे किए जाते हैं लेकिन हकीकत यह है कि आधी आबादी का बड़ा हिस्सा गृहिणी है, जिसका मतलब यह है कि आय अर्जित करने वाला कोई काम उनके पास नहीं है। सवाल है कि जब आधी आबादी के पास कोई काम नहीं होगा तो कोई भी राज्य या देश कैसे प्रगति कर सकता है?

बिहार की यह बदहाली सभी जातियों की सामूहिक बदहाली है। ऐसा नहीं है कि अगड़ी जातियां इस बदहाली से बाहर हैं। बिहार में हिंदू सवर्णो की चार और मुस्लिम सवर्णो की तीन जातियां हैं। इन सात जातियों में सबसे ज्यादा गरीब भूमिहार हैं। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 28 फीसदी भूमिहार परिवारों की मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। इसके बाद राजपूत, ब्राह्मण, शेख, सैयद और पठान आते हैं। सवर्णो में सबसे बेहतर स्थिति कायस्थों की है। कुल मिला कर 25 फीसदी सवर्ण परिवार छह हजार रुपए की मासिक आय वाली श्रेणी में हैं, जबकि 34 फीसदी पिछड़ी आबादी इस श्रेणी में आती है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्थिति सबसे खराब है, जिनमें 42 फीसदी से ज्यादा परिवार छह हजार रुपए आय वाली श्रेणी में है। ज्यादातर लोग कच्चे या खपरैल के मकानों में रहते हैं और महज पांच फीसदी आबादी के पास ही किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है।

बिहार और उसके 13 करोड़ लोगों की बदहाली का यह आंकड़ा पेश करने के बाद बिहार सरकार ने जो कथित मास्टरस्ट्रोक चला है वह आरक्षण की सीमा बढ़ाने का है। सोचें, जो काम आरक्षण की 60 फीसदी की सीमा में नहीं हुआ क्या वह 75 फीसदी कर देने से हो जाएगा? जाहिर है यह वोट लेने के लिए लोगों को मूर्ख बनाने का एक दांव है। सो, अब बड़ा सवाल है कि बिहार की इस बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन है? इस सवाल का जवाब बहुत मुश्किल नहीं है।

बिहार की इस दुर्दशा में सभी पार्टियां समान रूप से शामिल हैं। बिहार में पिछले 33 साल से या तो लालू प्रसाद की पार्टी राजद का मुख्यमंत्री रहा या नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का मुख्यमंत्री रहा। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे तो तेजस्वी यादव दो बार में तीन साल उप मुख्यमंत्री रहे हैं। नीतीश कुमार 17 साल मुख्यमंत्री रह चुके। एक साल से कुछ कम समय के लिए उन्होंने जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश के साथ करीब 13 साल तक भाजपा भी सरकार में रही और पहले सुशील मोदी फिर बाद में तारकिशोर प्रसाद व रेणु देवी उप मुख्यमंत्री रहे। अलग अलग समय में कांग्रेस भी आठ साल तक राजद और जदयू के साथ सरकार में रही है। सो, दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियां और दोनों राष्ट्रीय पार्टियां लगभग समान रूप से बिहार की इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं।

यह बिहार का दुर्भाग्य है, जो किसी भी सरकार या मुख्यमंत्री ने विकास की दृष्टि नहीं दिखाई। सबने उतना ही काम किया, जितना सरकारी फंड खर्च करने के लिए जरूरी था। बिहार के दोनों नेताओं, लालू प्रसाद और नीतीश कुमार का रोना रहा है कि बिहार लैंड लॉक्ड स्टेट है यानी समुद्र और बंदरगाह नहीं है और झारखंड अलग होने के बाद कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं है। इस कमी के बावजूद औद्योगिक विकास हो सकता था और रोजगार का सृजन संभव था। आईटी और आईटी आधारित सेवाओं का कारोबार जब फला-फूला तब बिहार में उस दिशा में काम हो सकता था। आज दुनिया भर के कपड़े बांग्लादेश में सिल रहे हैं क्या वह काम बिहार में नहीं हो सकता था? बिहार एक समय छोटे और बड़े उद्योगों का केंद्र रहा था। बरौनी रिफाइनरी से लेकर सिंदरी के खाद कारखाने और बोकारो से लेकर जमशेदपुर तक स्टील की फैक्टरियां चलती थीं। हर जिले में एक या उससे ज्यादा चीनी मिल था। इनमें कोई नई चीज जोड़ना तो छोड़ दिए इन्हें भी चलाए रखना मुश्किल हो गया। इसके लिए जिस दृष्टि की जरूरत थी वह किसी नेता के पास नहीं है या उसने उसका इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं समझी।

इसका बड़ा कारण यह था कि नेताओं को बड़ी आसानी से जाति के नाम पर वोट मिलते रहे इसलिए काम करके, लोगों की आकांक्षाएं पूरी करके वोट लेने की जरूरत ही महसूस नहीं हुई। इस लिहाज से बिहार के करोड़ों लोग भी अपनी दुर्दशा के लिए जिम्मेदार है क्योंकि उनके लिए वोट देने का एकमात्र आधार जाति और धर्म रहा। तभी उन्होंने कभी अपने हुक्मरानों से जरूरी सवाल नहीं पूछे। हकीकत यह है कि पिछले साढ़े तीन दशक में अनपढ़ बनाए रख कर बिहार को देश और दुनिया के लिए मजदूर सप्लाई करने वाली फैक्टरी में बदल दिया गया और किसी ने आवाज नहीं उठाई। किसी ने यह नहीं पूछा कि शिक्षा और स्वास्थ्य की सुचारू रूप से चलने वाली व्यवस्था कैसे पूरी तरह से चौपट हो गई? क्यों बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के लिए लोगों को पलायन करना पड़ा? सवाल नहीं पूछने और जाति-धर्म की वजह से पार्टियां का बंधुआ रह कर बिहार के लोगों ने अपनी आंखों से इस गौरवशाली सभ्यता वाले प्रदेश को बरबाद होते हुए देखा है। सब इस पाप के समान रूप से भागी हैं।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

प्रभु श्री राम के विराट सत् चरित्र के विजयी उजास का पवित्र वैश्विक पर्व दीपावली

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

दीपावली पर्व के आते-आते भव संसार में फैला तमस(गहन अंधकार) स्वमेव छटने लगता है, दीपावली के दिवस पर ना सिर्फ सुबह, दोपहर सूरज की रोशनी से दीप्त होते हैं, बल्कि दीपोत्सव की रात्रि भी मां धरती की सोंधी गंध से लिप्त पवित्र माटी से बने दीपको की रोशनी से आच्छादित होकर जगमगाने लगती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली भगवान रामचंद्र जी 14 वर्षो के वनवास के बाद समस्त बुराइयों के प्रतीक रावण के वध के पश्चात अयोध्या लौटने पर इनका अयोध्या वासियों द्वारा घी की दीपमालाओं को नगर में कतार में लगाकर स्वागत किया गया था। राजा रामचंद्र जी सद्गुणों,अच्छाइयों, धैर्य,संयम और देव तुल्य सद्गुणों के न सिर्फ प्रतीक माने जाते हैं बल्कि स्वयं सिद्ध देवता भी हैं, जिन्होंने संपूर्ण जगत को रावण जैसी अनंत बुराइयों से मुक्त कराया था। आज उसी परंपरा पारीपाटी को शिरोधार्य करते हुए मेहनतकश कुम्हारों और मां धरती की मिट्टी से बने पवित्र दीपों से उद्दीप्त करके समस्त सद्गुणों को द्विगुणित करने के लिए यह त्यौहार समस्त ऊर्जा और उत्साह से मनाते हैं। जगत वासी एक दूसरे से मिलकर बुराइयों के प्रतीकों को नष्ट करने का संकल्प लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराते हैं, एवं औपचारिक तौर पर एक-दूसरे को उपहार देने का उपक्रम भी किया जाता है। गहन तमस पर उजाले की जीत का पर्व ही दीपावली है। सही मायने में दीपावली में हमें अपने घरों को माटी के दीपों से उज्जवल इत कर अपने व्यक्तित्व को ज्ञान के दीप से उद्दीप्त करना चाहिए। ऋषि मुनि ऐसा कह गए हैं कि शरीर को एक दिन इसी माटी में मिल जाना है और व्यक्तित्व तथा मस्तिष्क के ज्ञान की जो अविरल धारा आपके जीवन में बहेगी वह अनवरत कई पीढ़ियों तक सुदीप्त होती रहेगी, मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है इसी तरह जीवन में प्रकाश भी चाहे वह दीपों से हो या ज्ञान से हो जीवन को प्रकाशमान करते रहना होगा।

दीपावली मूलतः प्रकाश का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार धन, समृद्धि, विघ्न हरण एवं ऐश्वर्य के प्रतीक भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं एवं दीपावली के एक दिन पूर्व धनत्रयोदशी या धनतेरस अति शुभ माना जाता है। इस दिन लोग स्वर्ण अथवा रजत के आभूषण खरीदना अत्यंत शुभ लक्षण मानते हैं। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है माना जाता है कि समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी जी की इसी दिन से उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा धूमधाम से की जाती है। समुद्र मंथन से ही धनवंतरी जिन्हें औषधि विज्ञान का अविष्कारक माना जाता है की उत्पत्ति कार्तिक मास की त्रयोदशी मुहूर्त में हुई थी, इसीलिए धनवंतरी के नाम पर धनतेरस पर्व रखा गया है। पश्चिम बंगाल के लोग दीपावली को काली पूजा के रूप में मानते हैं वहां बड़े-बड़े एवं भव्य पंडालों के भीतर मां काली की प्रतिमा स्थापित की जाती है काली की पूजा के बाद वहां लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। सही मायने में दीपावली का अपना धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। किंतु दीपावली के इस परंपरागत पवित्र त्यौहार में कुछ लोग अपने ऐश्वर्या का प्रदर्शन करने के लिए हजारों, लाखों रुपए के पटाखे छोड़कर वायु को प्रदूषित करते हैं, जो वायुमंडल के लिए अत्यंत खतरनाक होती है। इस त्यौहार की सबसे बड़ी कमी इस बात की होती है कि लोग इस दिन जुआ खेलते हैं जो एक सामाजिक बुराई भी है। दीपावली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय के अपने संदेश को सार्थक करता नजर आता है। आज हमें अपनी व्यक्तित्व से और सामाजिक से बुराइयों को दूर कर अच्छाइयों को साथ लेकर चलने से यह दीपोत्सव का पर्व सचमुच सार्थक हो जाएगा। दीपावली की पुनः शुभकामनाएं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

केरलः सत्ता का दुरुपयोग

केरल की वाम मोर्चा सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने का आदेश खुले समाज एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले सभी के लिए चिंता का कारण होना चाहिए। इसी तरह की कोशिश तमिलनाडु की द्रमुक नेतृत्व वाली सरकार भी कर रही है।

केरल में सरकारी त्रावनकोर देवासम बोर्ड ने एक सकरुलर या परिपत्र जारी कर मंदिरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस बोर्ड के नियंत्रण में करीब 1200 मंदिर हैं। तमिलनाडु पुलिस ने संघ के रूट मार्च यानी पथ संचलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

पुलिस का कहना था कि पथ संचलन के रास्ते में मस्जिद और चर्च के साथ कुछ पार्टीयों के कार्यालय हैं और शांति भंग होने की आशंका है। इन दोनों सरकारी कदमों को देखें तो निष्कर्ष यही आता है कि ये संघ के बढ़ते जनाधार को सहन नहीं कर पा रहे और सत्ता का दुरुपयोग कर येन-केन-प्रकारेण उसके कार्यक्रमों को बाधित करने की कुचेष्टा में संलिप्त हैं। केरल सरकार नियंत्रित बोर्ड के सकरुलर की भाषा इतनी सख्त है कि सामान्य तौर पर बोर्ड के अधिकारियों-कर्मचारियों के सामने इसके पालन करने की शत-प्रतिशत अपरिहार्यता है। सकरुलर में अधिकारियों से मंदिरों में औचक निरीक्षण करने का निर्देश है ताकि उसके अनुसार यह पता चल सके कि क्या संघ या दूसरे विचारधारा वाले संगठन मंदिरों में सभा, हथियारों का प्रशिक्षण या शाखा वगैरह तो नहीं लगा रहे।देवास्वोम विजिलेंस विंग को भी औचक छापेमारी का निर्देश भी है। इसका उद्देश्य भी यही पता करना है कि मंदिरों की संपत्तियों का कहीं यह संगठन अपने कार्यक्रमों प्रशिक्षणों आदि के लिए उपयोग तो नहीं कर रहे हैं। तमिलनाडु में पिछले वर्ष भी संघ के पथ संचलन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी और सरकार मामला सर्वोच्च न्यायालय तक ले गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाई थी। बावजूद इस वर्ष फिर वही रवैया पुलिस प्रशासन का रहा तो इसे क्या कहेंगे? उच्च न्यायालय ने पुलिस को डांट लगाते हुए कहा है कि इस तरह के तर्क सेक्यूलरवाद के ही विरु द्ध है। पुलिस पथ संचलन होने दे और ऐसी व्यवस्था करे ताकि वह शांतिपूर्वक संपन्न हो जाए। यह उदाहरण कुछ राजनीतिक पार्टीयों और नेताओं का संघ के प्रति आचरण को साबित करने के लिए पर्याप्त है। केरल सरकार ने कर्मचारियों और पुजारियों को चेतावनी दिया है कि ऐसे संगठनों की उपस्थिति और उनके संचालन के बारे में टीडीबी प्रबंधन को सूचित नहीं करने वालों को कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। किसी लोकतांत्रिक शासन पण्राली के अंतर्गत इस तरह के फासिस्टवादी आदेश के लिए स्थान नहीं होना चाहिए। किसी भी विचारधारा का संगठन प्रतिबंधित नहीं है तो उसकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने या उसे बाधित करने का कोई मान्य कारण नहीं हो सकता। केरल सरकार ने पहली बार ऐसी कोशिश नहीं की है। 2016 और 2021 में भी इस तरह का परिपत्र जारी किया जा चुका है। 2021 के आदेश में भी संघ परिवार पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया गया था। उसमें भी मंदिर की संपत्तियों का उपयोग हथियार प्रशिक्षण के लिए न होने देने की बात थी।

2016 के आदेश में केरल के वर्कला में श्री सरकार देवी मंदिर में संघ के प्रशिक्षण पर प्रतिबंध लगाया था और वहां भी शब्द प्रयोग हथियारों का प्रशिक्षण ही था। साफ है कि 2016 और 2021 के सरकारी आदेशों का नीचे स्तर पर पालन नहीं हुआ। वास्तव में ये आदेश ऐसे हैं जिनका पालन न हो सकता है और न होना चाहिए। भाजपा की सरकारें भी कहीं वामपंथी पार्टीयों की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने का आदेश जारी करती है तो उसका भी पालन नहीं किया जा सकता। हम किसी के विचारों से सहमत हों या असहमत, संविधान के तहत उसको कानून की सीमाओं में काम करने की पूरी स्वतंत्रता है। संघ 98 वर्षो से काम कर रहा है। उसकी शाखाएं खुले मैदानों में लगती हैं। कभी यह नहीं देखा गया और न ही ऐसी कोई पुष्ट रिपोर्ट है कि आरएसएस अंधेरे में हथियारों का गैर कानूनी तरीके से प्रशिक्षण दे रहा हो। क्या 2016 से 2023 में केरल सरकार ने किसी मंदिर में संघ द्वारा रखे गए ऐसे हथियारों के भंडार पकड़ा है। नहीं, तो फिर इस तरह के आरोपों का कारण क्या है। कहा जा रहा है कि पिछले महीने केरल उच्च न्यायालय ने श्री सरकार देवी मंदिर से जुड़े मामलों पर हथियारों के प्रशिक्षण और व्यायाम आदि पर रोक लगाने का आदेश दिया था। दरअसल, दो लोगों ने स्वयं को वरकला मंदिर का भक्त बताते हुए याचिका डाली थी और उसमें न्यायालय ने कहा है कि मंदिर के परिसर में सामूहिक अभ्यास या हथियारों के प्रशिक्षण से संबंधित कोई भी गतिविधि अवैध मानी जाएगी। मंदिर के अंदर शांतिपूर्ण माहौल बनाए जाने की आवश्यकता है। मंदिर की अनुष्ठानों और आस्था में राजनीति का कोई स्थान नहीं है। एक याचिका मंदिर में भगवा रंग के झंडे आदि को लेकर था।

-अवधेश कुमार-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नेताजी की शवयात्रा

नगर के वरिष्ठ नेताजी चल बसे
शोक लहर संग हल्ला मचे
शवयात्रा में सहस्त्रों शामिल हुए
नेता जी बहुत काबिल हुए
तभी तो दौड़ पड़े कृषक व्यापारी
बूढ़े बच्चे लघु-दीर्घ अधिकारी
भीड़ लगी किच-किच किच-किच
बोलने लगे गीच-पिच गीच-पिच
कोई कहता देशभक्त नही रहे
किसी का बिन कहे आँसू बहे
कोई कहते समाजसेवी पुण्यात्मा
भ्रष्टाचार को जो किए खात्मा
थे नम्र स्वभाव और कुशल मिजाज
रस बरसते जिसके अल्फ़ाज
पूरे नगर शव को घुमाया गया
अनेक कंधों में डाह ले जाया गया
सबके आँखे नम थी
पूरे शहरवासियो में गम थी
स्थिर निद्रा में लेटे सब देख रहे
कौतूहल सा नेताजी सरेख रहे
मेरे कर्म के विपरीत कैसा रुझान है?
जो मैं नही,वह मेरी पहचान है
लोग कितने भोले है
जो निज कथन को सत्य समझते थे
दो-चार लॉलीपॉप को
विकास का रथ समझते थे
काश सचमुच ऐसा कर पाता
प्रगति पथ को गढ़ जाता
जितना ज्यादा जुटाता काम।
रिश्वत गबन दलाली से
मिलता भरपूर सुख-आराम।।
पुनर्जन्म लेकर फिर आऊँगा
सुधिजनों देखना भाग्य
चमकाऊँगा।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)

मन गाए भोले

मन मेरा बस गाए भोले,
जन्म दिवस जब आए भोले,
कोई छुपाव नहीं हो मन में,
जीवन दर्पण हो जाए भोले।
मन मेरा बस .....
हम भोले से मांग रहे हैं,
सच का हमको पाठ पढ़ाना,
विपदा आए चाहें कैसी,
भोले हमको पार लगाना।
मन मेरा बस ....
देने की जब बारी आए,
नयन हमारे झुके रहें,
भोले का ही दिया हुआ है,
मुस्करा कर दिया करें।
मन मेरा बस....
शब्द हमारे किसी के मन को,
तार-तार ना करने पाएं,
धैर्य हमें बस इतना देना,
भोले सबका साथ निभाएं।
मन मेरा बस ...
अर्थ,मोह में ना डूबें हम,
ना कर्मों पर हम पछताएं,
जन्म सफल हो सरल हमारा,
पल-पल भोले के गुण गाएं।
मन मेरा बस

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर इन्दौर (म.प्र.)

आगे देवारी तिहार

पांच दिन के ये तियार
दिया जलाबो घर घर
अउ दुवार दुवार,
दिया जला के मिटाबो अंधियार
आगे देवारी तिहार।
नवा नवा कुरता पहिनबो,
अउ लेबो बताशा मिठाई के हार,
ताश जूआ से दूर रबो,
नहीं तो पुलिस के
खाएं ल पड़ ही मार,
आगे देवारी तिहार।
लक्ष्मी दाई के पूजा कर बो,
अउ मांग बो आशीर्वाद,
झूठ के रददा ल छोड़,
सच के दिया जलाबो ये बार,
आगे देवारी तिहार।
एक दिन सबो झन ल हे जाना,
झन रख ककरो से ईरसा द्वेष,
बाती बुता जाही
त हो जाहि अंधियार,
देवत हे संदेश दीया हा बार-बार,
आगे देवारी तिहार।

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद (छत्तीसगढ़.)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

धनतेरस पर बाजार में जमकर हुई धन वर्षा,करोड़ों का हुआ कारोबार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

दिवाली से पूर्व धनतेरस का बाजार इस वर्ष गुलजार रहा। बाजार में जमकर धन वर्षा हुई। रिकार्ड तोड़ खरीदी से शहर में करीब करोड़ों का व्यवसाय एक दिन में होने का अनुमान है। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक मशीन, सोने चांदी, बर्तन सबसे 'ज्यादा खरीदी हुई। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोग देर रात तक खरीदारी करते नजर आए। वहीं व्यवसायी धनतेरस को देखकर पूर्व से ही तैयारी कर चुके थे। व्यवसायियों को इस वर्ष अच्छे कारोबार की उम्मीद पूर्व से ही थी। महंगाई के बावजूद बाजार में इसका असर नहीं दिखा। वहीं धनतेरस पर बाजार में खरीदारी हेतु उमड़ी भीड़ के कारण शहर के सभी प्रमुख मार्ग देर रात तक व्यस्त रहे, पुलिस यातायात व्यवस्था बनाने में जुटी रही। लंबे समय से बाजार में छाई मंदी के बाद इस बार धनतेरस पर लोगों ने अपनी पसंद की चीजों पर दिल खोलकर खर्च किए। 'वेलरी,ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स व बर्तन दुकानों में सबसे 'ज्यादा भीड़ रही। शहर के सदर रोड, देवीगंज रोड, खरसिया रोड एवं मनेंद्रगढ़ रोड के दुकानों में अच्छे कारोबार के चलते देर रात तक भीड़ लगी रही। शहर के व्यवसायी धनतेरस के शुभ अवसर पर सुबह से ही अपनी-अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजा चुके थे। दोपहर तक बाजार में कुछ खास भी नहीं देखा गया, आम दिनों की तरह ही लोग बाजार में देखे गए। वहीं शाम होते ही बाजारों में लोग खरीदारी करने उमड़ पड़े। 'ज्वेलरी, बर्तन व ऑटोमोबाइल दुकानों में जमकर खरीदी हुई है। वहीं ऑनलाइन शापिंग के बढ़ते क्रेज के बावजूद इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में लोगों की भीड़ ने दुकानदारों को राहत पहुंचाई। वहीं टू व्हीलर का कारोबार हमेशा की तरह इस बार भी उछाल पर था। बाइक एवं स्कूटी जैसे वाहन शहर में 1 हजार से 'यादा बिके। वहीं मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप, बर्तन, फर्नीचर सहित अन्य परंपरागत सामानों में भी करोड़ों की खरीदी हुई। शहर में धनतेरस पर करोड़ों का कारोबार होने का अनुमान है। जिले भर से आए लोगों ने जमकर खरीददारी की। सोने, चांदी के दामों में स्थिरता से आभूषण, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने लोगों का सैलाब उमड़ा। महिलाएं जहां 'वेलरी और रसोई के जरूरी बर्तनों, पूजा के सामानों की खरीदारी में लगीं रहीं। वहीं लोग इलेक्ट्रानिक्स सामान, दोपहिया, चारपहिया वाहनों की खरीदारी में लगे रहे। धनतेरस पर इस बार भी फर्नीचर व्यवसाय में चमक रही। पिछले कुछ वर्षो से लोग तरह-तरह के फर्नीचर खरीदने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। आनंद हीरो व आनंद ऑटो मोबाइल्स शो रूम में दर्जनों वाहनों की बिक्री हुई है, यहां करोड़ों का कारोबार किया गया है। वहीं महामाया होण्डा शोरूम में बड़ी संख्या में दो पहिया वाहन की बिक्री हुई। इसी तरह सरगुजा हीरो, कोमाकी शो रूम, जगदम्बा आभूषण दुकान, शास्त्री ऑटो मोबाइल्स, शास्त्री केटीएम बाइक शोरूम, शास्त्री इवी स्कूटी शो रूम, श्रीराम 'वेलर्स, शिवम मेन्स कलेक्शन, निशांत नेक्सट वर्ल्ड, बाबू भाई मोबाइल सहित अन्य दुकानों में ग्राहकों की भीड़ लगी रही। इन सभी दुकानों में करोड़ों का कारोबार हुआ है।

जाम से निपटने पुलिस द्वारा की गई थी विशेष व्यवस्था

धनतेरस के अवसर पर शहर में होने वाली भीड़ को लेकर पुलिस द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। शहर के अंदर चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया गया था। केवल दो पहिया वाहनों को शहर के अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। इससे शहर में अव्यवस्था निर्मित नहीं हो सकी। हालांकि शाम को जब लोग ज्यादा संख्या में बाजार निकले तो भीड़ 'ज्यादा देखी गई।

दुकान का ताला तोड़कर 2.50 लाख की चोरी,जुर्म दर्ज

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

ब्रह्मरोड पंचशील गली में गुरुवार की रात चोरों ने ऑटो पार्ट्स व टायर दुकान का ताला तोडक़र काउंटर से ढाई लाख रुपए चोरी कर लिया है। रात 1 बजे के बाद दो चोर वारदात को अंजाम देते दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हुए हैं। दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार गुरूपित सिंह भाटिया ब्रह्मरोड पंचशील गली का रहने वाला है। वह पंचशील गली में ही खालसा ट्रेडिंग कंपनी नाम से ऑटो पार्ट्स व टायर का थोक दुकान है। 9 नवंबर की रात 9.45 बजे दुकान बंद कर घर चला गया था। 10 नवंबर की सुबह 9 बजे दुकान पहुंचा तो दुकान के साइड का चैनल गेट का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो लोहे का गेट का भी ताला टूटा था। दुकान कें अंदर दराज का लॉक भी टूटा हुआ था और दराज में रखे 2.50 लाख रुपए नहीं थी। दुकान संचालक ने चोरी की घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो पता चला की रात 1 बजे के बाद दो चोर घटना को अंजाम देते कैद हुए हैं। एक व्यक्ति दुकान के बाहर रेकी कर रहा था वहीं दूसरा व्यक्ति दुकान का ताला तोडक़र चोरी करते कैद हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उपमुख्यमंत्री टी.एस.सिंह ने कोरिया में स्टार प्रचारक के रूप में किया चुनाव प्रचार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के स्टार प्रचारक व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव ने बैकुण्ठपुर के बचरापोड़ी सहित चिरमिरि अंतर्गत डोमनहील में कांग्रेस के लिये चुनाव प्रचार किया तथा कांग्रेस के लिये वोट मांगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार के पांच सालों की उपलब्धियों को सामने रखते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के साथ ही पहला वायदा पुरा किया गया था किसानों का कर्जा माफ एवं धान की खरीदी 2500 रूपये प्रति क्विंटल में किसान भाईयों का कर्जा भी माफ हुआ और धान भी 2500 रूपये प्रति क्विंटल खरीदा गया। हमने जा कहा करके दिखाया। आपके बच्चों को प्राईवेट स्कूल के तर्ज पर अच्छी अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा मिल सके इसके लिये हमने जिलों में आत्मानंद स्कूल खोले हैं, जहां गरीब परिवार के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार ने असाध्य रोगों के ईलाज के लिये 20 लाख तक उपलब्ध कराये हैं, जिसका लाभ लोगों को मिला है। खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान कार्ड से लगातार निःशुल्क ईलाज हुए है, इस बार कांग्रेस का आपसे वायदा है न सिर्फ बीपीएल बल्कि एपीएल वर्ग को भी 10 लाख रूपये तक के निःशुल्क ईलाज की सुविधा कांग्रेस सरकार देगी। इतना ही नहीं सडक़ दुर्घटना के मरीजों का निःशुल्क ईलाज होगा।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उदयपुर के बकोई, लखनपुर के जमगला, तराजु, जयपुर(ख), जोधपुर, गोरता, गणेशपुर, भरतपुर, लटोरी, अम्बिकापुर के कंचनपुर सहित कई गांवों में जनसंपर्क कर आमजनों से वोट की अपिल की। जनसंपर्क के दौरान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि इस बार कांग्रेस अपने घोषणा पत्र के माध्यम से आप सब से यह वायदा कर रही है की आपके ब'चों की शिक्षा अब पूर्णतः निःशुल्क होगी। कांग्रेस ने घोषणा पत्र के माध्यम से आप सबसे यह वायदा किया है कि नर्सरी कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक की पुरी पढ़ाई निःशुल्क होगी। हमारी सरकार ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर विशेष ध्यान पिछले पांच वर्षो में भी दिया है और आगे भी देंगे और यही कारण है कि हमारे घोषणा पत्र में शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। धान 200 रूपये प्रति क्विंटल एवं प्रत्येक एकड़ 20 क्विंटल की खरीदी करेंगे तो वहीं कर्जा भी माफ होगा।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के जाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 8 में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन भी किया तथा आमजनों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क कर टीएस सिंहदेव ने अपने लिये वोट की अपिल की तथा पिछले पांच वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में किये गये उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी।

उदयपुर विकासखण्ड के लक्ष्मणगढ़, कवलगिरी, उदयपुर बाजारपारा सहित सानीबर्रा एवं अन्य स्थलों पर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की बहन आशा कुमारी ने कांग्रेस के पक्ष में वोट की अपिल की तथा कांग्रेस सरकार द्वारा 5 साल में किये गये उपलब्धियों की जानकारी दी। वहीं छोटे भाई अरूणेश्वर शरण सिंह देव, छोटी बहन मंजूश्री आनंद, भतीजे आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, बहु त्रिशाला सिंहदेव भी अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पक्ष में लगातार जनसंपर्क कार्य कर रहे हैं।

मतदाता जागरूकता द्वारा महाविद्यालय में हुआ विभिन्न खेलों का आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के शत प्रतिशत मतदान कराए जाने के लिए स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत कबड्डी (महिला) एवं क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर के परिसर में कराया गया। जिसमें कबड्डी (महिला) में बरपारा की टीम एवं क्रिकेट (पुरुष) में शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय की टीम ने बाजी मारी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत कन्या महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं जिला प्रशासन की ओर से जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय की टीम के बीच सद्भावना क्रिकेट मैच खेल कर महिला मतदाताओं को महत्वपूर्ण संदेश दिया। श्रीमती आरती पाण्डेय ने कहा कि महिला हर क्षेत्र में बेहतर कर रही है इसलिए लोकतंत्र के इस महापर्व में महिला की भागीदारी बढ़-चढ़कर होनी चाहिए। रामसिंगार यादव (डी.एस.पी) ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रजातंत्र की रक्षा एवं संदृढ़ता के लिए आप सभी को मतदान करना आवश्यक है। प्रतियोगिता के अन्त में मतदाताओं को शपथ ग्रहण कराया गया तथा पुरस्कार वितरण किया गया।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी राहुल नीरज, शरदेन्दु शुक्ला, राजनाथ सिंह, महाविद्यालय के स्वीप प्रभारी डॉ. सलीम किस्पोट्टा (सहा.प्रा.), विष्णु कुमार, मुकेश साहू एवं नवीन कन्या महाविद्यालय की स्वीप प्रभारी सुश्री पुजांजलि भगत (सहा.प्रा.), सुश्री शिवानी पाण्डेय, सुश्री वर्षा यादव, सुश्री सनमती बाई आदि का सहयोग रहा।

17 नवम्बर को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु लोगों को प्रेरित करने निकाली गई स्वीप पदयात्रा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसढ़ के निर्देशनुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में शुक्रवार को स्वीप पदयात्रा का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप नूतन कुमार कंवर के नेतृत्व में जिले में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाकर मतदान प्रतिशत बे ने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से मतदान के प्रति जागरुकता फैलाने हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 10 नवंबर 2023 को गांधी स्टेडियम अम्बिकापुर से मिशन हॉस्पिटल, नवापारा चौक, आकाशवाणी केंद्र से मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता रैली एवं पदयात्रा का आयोजन स्काउट गाईड कैडेटों के माध्यम से किया गया।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी (स्वीप) नूतन कुमार कंवर ने उपस्थित लोगों को 17 नवम्बर 2023 मतदान दिवस के दिन शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की। साथ ही एन.एस.एस., स्काउट गाईड के वॉलेन्टियर को मतदान दिवस के दिन स्वयंसेवक के रूप में सहयोग करने को कहा और भारत निर्वाचन आयोग के सदस्य के रूप में निर्वाचन के इस पुनीत कार्य से जुड़ सकेंगे।

इस मौके पर उपसंचालक यशपाल प्रेक्षा, सहा. नोडल श्री सी.के. मिश्रा, विधानसभा नोडल (स्वीप) रविशंकर पाण्डेय, एपीओ डॉ. प्रशांत शर्मा, स्काउट गाईड के प्रभारी योगेश विश्वकर्मा, स्वीप सरगुजा टीम से बीपीओ कमलेश वर्मा, सत्यनारायण भगत, इंदू मिश्रा, अभिलाष खरे, रजनीश मिश्रा, शालिनी शर्मा, प्रीति तिवारी, महिमा तिर्की, किरण खलखो, शिव कुमार दास उपस्थित रहे।

त्यौहारों को देखते हुए मिठाई दुकानों से मिष्ठनों का लिया गया सैंपल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए है नकली एवं गुणवत्ताहीन मिठाई की बिक्री रोकने हेतु जिले के समस्त मिठाई दुकानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। नकली एवं गुणवत्ताहीन मिठाइयों से लोगो के स्वास्थ्य पर बुरा असर पे सकता है, मिलावट की आशंका के मद्देनजर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री आरआर देवांगन एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री प्रशान्त कुमार तिवारी तथा खाद्य औषधि प्रशासन की टीम द्वारा फर्म मेसर्स आरव स्वीट्स, बनारस रोड, अंबिकापुर से बूंदी लड्डू एवं मेसर्स पटेल स्वीट्स, प्रतीक्षा बस स्टैण्ड, अंबिकापुर से खोवा बर्फी व मेसर्स गुप्ता स्वीट्स, बस स्टैण्ड, ग्राम बटवाही, लुण्ड्रा से बर्फी एवं मेसर्स महामाया स्वीट्स, मेन रोड, दरिमा से बूंदी लड्डू का नमूना जांच हेतु संकलित कर परीक्षण और विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से परीक्षण और विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम विनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। साथ ही चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से खाद्य पदार्थ में मिलावट की सर्विलेंस जांच भी की जा रही है। मिलावट पाए जाने पर मौके पर ही नष्टीकरण की कार्यवाही की जा रही है।

मतदान शत प्रतिशत बढ़ाने के लिये कराये गये मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 04, 05 तथा 06 में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला उप निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा के मार्गदर्शन में शा.बालक उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर के प्रशिक्षण स्थल में सभी मास्टर ट्रेनर, पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक 01, 02, 03 एवं पिंक बूथ में लगी समस्त महिला मतदान अधिकारियों सहित लगभग 550 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्री लेफ सिंह (प्राचार्य) शा.बालक उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सुरजपुर के द्वारा मतदाता शपथ दिलाया गया।

इस अवसर पर विकासखंड स्तरीय स्वीप नोडल सुनील कुमार पोर्ते जिला स्वीप सहयोगी सुदर्शन दास, रविनाथ तिवारी (बी.पी.ओ.रामानुजनगर) एवं जयराम प्रसाद(बी.पी.ओ.सुरजपुर) उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों का किया उत्साहर्वधन

सूरजपुर,10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सब जुनियर एवं सीनियर थांग ता नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे जिले के खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक ने बधाई दी। आगामी 24 से 26 नवम्बर 2023 तक रांची झारखण्ड में आयोजित होने वाले सब जुनियर एवं सिनियर थांग ता प्रतियोगिता में सम्मिलित होने जा रहे खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने प्रोत्साहन राशि प्रदाय कर बधाई देते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन करने कहा। प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर चर्चा कर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान खिलाड़ी डॉली कुजूर, संगीता, निगिता, चंदा, कुंवर, आलमगीर, चंदन, सोनू व हेमन्त राजवाड़े मौजूद रहे।

आबकारी विभाग सूरजपुर की अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आबकारी टीम सूरजपुर द्वारा ग्राम डेडरी में कुल 06 लीटर व भट्टी महुआ शराब जप्त किया गया। इसके साथ ही आरोपी को धारा 34(1)(क),(ख),(च), 34 (2) 59(क) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल भी किया गया है।

इस्राइल रोजाना चार घंटे हमले रोकने को राजी

आईडीएफ ने गाजा के अस्पताल परिसर में की बमबारी

गाजा/यरूशलम, 10 नवम्बर 2023। इस्राइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में इस्राइली सेना का अभियान जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार की रात इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में अल-शिफा अस्पताल परिसर में एक यार्ड पर बमबारी की। जिसमें कई लोगों के हताहत होने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले इस्राइली बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में छिपे हमास के आतंकियों वाले क्षेत्र पर गोलाबारी की। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाया का दावा किया। वहीं, अमेरिका ने कहा कि इस्राइल रोजाना चार घंटे हमले रोकने को राजी हो गया है।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने युद्धविराम का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने एक माह में कई युद्ध अपराध किए हैं। हमास शासित क्षेत्र के उत्तर में आतंकियों के गढ़ गाजा सिटी के निवासियों ने कहा कि शहर के चारों ओर से इस्राइली टैंकों ने घेर लिया है। इस्राइली सेना दो अस्पतालों के करीब जाती देखी गई, जहां हजारों विस्थापित फलस्तीनी आश्रय मांग रहे है। उसने यहां बुनियादी आपूर्ति खत्म कर दी है, जिससे फलस्तीनी नागरिकों को दवाओं, भोजन और पानी तक मुहैया नहीं हो रहा है। उधर, फ्रांस में 80 देशों व संगठनों ने गाजा में मानवीय सहायता के समन्वय के तरीकों पर बैठक की। बैठक में गाजा के घायलों को घेराबंदी से निकालने में मदद करने पर विचार भी किया गया।

बाइडन से बात के बाद कुछ नरम पड़े नेतन्याहू

इस्राइल मानवीय आधार पर उत्तरी गाजा में रोजाना चार घंटे के लिए हमास पर हमले रोकने के लिए राजी हो गया। व्हाइट हाउस के मुताबिक, उसने नागरिकों को लड़ाई से बचाने का विकल्प तलाश लिया है। राष्ट्रपति बाइडन ने सोमवार को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर जंग पर प्रतिदिन कुछ समय के लिए विराम लगाने को कहा था।

बंधकों की रिहाई पर बात...

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने दोहा में इस्राइल की जासूसी एजेंसी मोसाद के प्रमुख और कतर के पीएम शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात की और हमास के बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई पर चर्चा की।

10 भारतीय-अमेरिकियों ने राज्य और स्थानीय चुनाव जीते,जानिए किस शहर से किसने दर्ज की जीत

वाशिंगटन,10 नवम्बर 2023। अमेरिका में भारतीयों के बढ़ते प्रभाव का असर हाल में हुए स्थानीय व राज्य स्तरीय चुनावों में दिखाई दिया है। इन चुनावों में 10 भारतीय-अमेरिकियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में जीत हासिल की है। ज्यादातर भारतवंशी डेमोक्रेट पार्टी से संबंधित हैं।

हैदराबाद में जन्मी गजाला हाशमी तीसरी बार वर्जीनिया की सीनेट के लिए निर्वाचित हुई हैं। सुहास सुब्रमण्यम भी वर्जीनिया की सीनेट के लिए फिर से चुने गए हैं। व्यापार क्षेत्र के दिग्गज कन्नन श्रीनिवासन भारतवंशियों के प्रभुत्व वाले लाउडन काउंटी क्षेत्र से चुने गए हैं। न्यूजर्सी से विन गोपाल व राज मुखर्जी राज्य सीनेट के लिए चुने गए, बलवीर सिंह बर्लिंगटन काउंटी बोर्ड में फिर निर्वाचित हुए।

नील, डॉ. अनीता व अरुणन भी जीते

पेनसिल्वेनिया में नील मुखर्जी (डेमोक्रेट) ने मोंटोगोमेरी काउंटी कमिश्नर, जबकि इंडियाना में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. अनिता जोशी ने कार्मेल सिटी काउंसिल सीट की 'वेस्ट डिस्ट्रिक्ट' सीट पर जीत हासिल की है। लैंड बैंक के सीईओ अरुणन अरुलमपालम को कनेक्टिकट में हार्टफोर्ड के मेयर के रूप में चुना गया है। वह जिम्बाब्वे से अमेरिका आए थे।

तीन महीनों में भारत के तीन दुश्मनों का खात्मा,लश्कर आतंकी अकरम गाजी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद,10 नवम्बर 2023। भारत के दुश्मनों का खात्मा होने का सिलसिला जारी है। तीन महीनों में तीन दुश्मन मारे जा चुके हैं। बता दें, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पूर्व नेता अकरम खान की गुरुवार को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

बताया जा रहा है कि अकरम खान उर्फ अकरम गाजी की पाकिस्तान के बाजौर में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। आतंकी अकरम गाजी ने साल 2018 से 2020 तक लश्कर भर्ती सेल का नेतृत्व किया था। साथ ही वह पाकिस्तान में अपने भारत विरोधी भाषणों के लिए जाना जाता था।

अकरम लश्कर-ए-तैयबा का एक जाना-माना नाम है। वह लंबे समय से चरमपंथी गतिविधियों में शामिल था। साथ ही उसने लश्कर भर्ती सेल का नेतृत्व किया था। वह चरमपंथी हितों के प्रति सहानुभूति रखने वाले व्यक्तियों की पहचान करता था और उन्हें भर्ती करने में एक जिम्मेदार भूमिका निभाता था।

इन आतंकियों का भी हो चुका है सफाया

इसी साल अक्टूबर में पठानकोट हमले के मास्टरमाइंड शाहिद लतीफ की पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लतीफ पाकिस्तान के गुजरांवाला शहर से भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक था और 2016 में पठानकोट वायु सेना स्टेशन में घुसने वाले चार आतंकवादियों का हैंडलर था।

इससे पहले सितंबर में, अज्ञात बंदूकधारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट में अल-कुदुस मस्जिद के अंदर लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आतंकवादी की पहचान रियाज अहमद उर्फ अबू कासिम के रूप में हुई थी। रियाज अहमद कोटली से नमाज अदा करने आए थे, तभी उनके सिर में नजदीक से गोली मार दी गई।

ग्रैमी अवॉर्ड के पूर्व सीईओ के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज, 2018 में महिला से दुराचार का मामला

वाशिंगटन,10 नवम्बर 2023। अमेरिका में एक महिला ने ग्रैमी अवार्ड के पूर्व सीईओ नील पोर्टनाउ के खिलाफ 2018 में उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को मुकदमा दर्ज कराया। महिला ने रिकॉर्डिंग अकादमी पर मामले की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उसे भी अदालत में घसीटा है। महिला का नाम जाहिर नहीं किया गया है।

महिला ने वयस्क उत्तरजीवी अधिनियम के तहत मैनहट्टन में प्रांतीय शीर्ष कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में महिला को अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त एक संगीतकार बताया गया है। उसने आरोप लगाया है कि वह 2018 की शुरुआत में पोर्टनाउ से मिली थी और साल के अंत में उनका साक्षात्कार लेने के लिए न्यूयॉर्क के एक होटल में मिलने पर सहमति जताई थी।

नशीला पदार्थ मिलाया

महिला के मुताबिक, मुलाकात के दौरान पोर्टनाउ ने उसे नशीला पदार्थ मिला पेय पिलाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने कहा, पोर्टनाउ ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लीलता की।

आरोप बेबुनियाद:अकादमी

मुकदमे में महिला ने दावा किया कि वह पोर्टनाउ के खिलाफ शिकायत लेकर 2018 के अंत में अकादमी पहुंची थी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, अकादमी ने एक बयान में कहा, हमारा मानना है कि आरोप बेबुनियाद हैं और हम इस मुकदमे में अकादमी का बचाव करने का इरादा रखते हैं। हालांकि, 2019 में ग्रैमी के सीईओ पद से इस्तीफा देने वाले पोर्टनाउ के प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा कि आरोप 'पूरी तरह से झूठे' हैं।

सेंसर में खराबी के कारण रोबोट ने बक्सा समझकर इंसान को जकड़ा,मौत

अमेरिका में अब तक 41 लोगों की मौत

सियोल,10 नवम्बर 2023 । दक्षिण कोरिया में एक व्यक्ति के लिए तकनीक जान की दुश्मन बन गई। कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत में एक कृषि उपज वितरण केंद्र में ये व्यक्ति रोबोट का शिकार हो गया। दरअसल, रोबोट मिर्च से भरे बक्सों को रख रहा था, लेकिन सेंसर में खराबी की वजह से उसने 40 साल के कर्मचारी को भी बक्सा समझ लिया। उसे पकड़ने के लिए अन्य सामान की तरह इतनी जोर से जकड़ा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया है कि हादसे के दौरान कर्मचारी रोबोट के सेंसर की जांच कर रहा था। इसी दौरान रोबोट ने उसे जकड़ लिया। जिसके कारण उसका चेहरा और छाती कुचल गई। घायल कर्मचारी को अस्पताल से जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

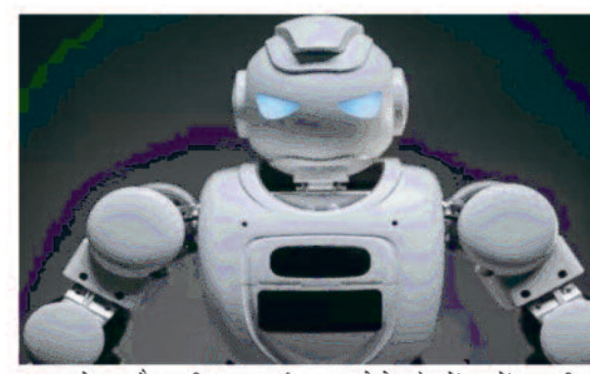

डिब्बे और इंसान का फर्क नहीं कर सका रोबोट

जांच में दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत में स्थित मिर्च छंटाई संयंत्र में लगाए गए इस रोबोट के सेंसर में खराबी आ जाने की बात सामने आई है। रोबोट के सेंसर में खराबी की वजह से ही वह इन्सान और डिब्बे में फर्क करने में कामयाब नहीं हो सका। जिस संयंत्र में ये घटना हुई है, उसके मालिक ने सटीक और सुरक्षित प्रणाली स्थापित करने की बात कही है।

अमेरिका में रोबोट्स ले चुके 41 की जान

अमेरिकी जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल मेडिसिन के अनुसार, अमेरिका में औद्योगिक रोबोट्स अब तक 41 लोगों की जान ले चुके हैं। 83 प्रतिशत हादसे स्थिर रह कर काम करने वाले रोबोट्स की वजह से हुए, रखरखाव के दौरान कई हादसे हो रहे हैं। दक्षिण कोरिया में इसी वर्ष मई में एक ऑटोमोबाइल प्लांट में कर्मचारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जुलाई में रूस में एक मैच के दौरान शतरंज खेलने वाले एंड्रॉइड ने एक बच्चे की अंगुली तोड़ दी थी।

वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविर पर इजरायली हमले में 14 लोगों की मौत

गाजा, 10 नवम्बर 2023। गाजा स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर पर इजरायली सेना के हमले में कम से कम 14 लोग मारे गए। मंत्रालय के अनुसार, गुरुवार को 12 घंटे से अधिक समय तक फिलिस्तीनियों के साथ सशस्त्र संघर्ष चला। इस घटना के परिणामस्वरूप व्यापक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान हुआ। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि हताहत होने वाले नागरिक थे या आतंकवादी। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने ÷आतंकवादी बुनियादी ढांचे को विफल करने और उस व्यक्ति के घर को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन चलाया, जिसने कथित तौर पर 31 अगस्त के हमले में एक ऑफ-ड्यूटी इजरायली सैनिक की हत्या कर दी थी। इंजीनियरिंग बलों ने जेनिन शरणार्थी शिविर में हमारे बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से विस्फोटक उपकरणों का पर्दाफाश किया। सेना ने एक बयान में कहा, सेंट्रल कमांड के कमांडर ने उस आतंकवादी के घर को ध्वस्त करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसने मकाबिम चौकी और हाशमोनैम चौकी पर भगदड़ मचाई थी।

पांच साल बाद अपने बॉयफ्रेंड से मिली महिला ने कुछ इस तरह किया प्यार का इजहार,सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

टोरंटो,10 नवम्बर 2023। प्यार में कोई कुछ भी कर गुजरता है। आए दिन सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आते हैं, जिसमें लोग अपने प्यार नए-नए तरीके अपनाते हैं। अब एक महिला ने अपने लॉन्ग डिस्टेंस में रहने वाले बॉयफ्रेंड के पांच साल बाद मिलने पर कुछ ऐसा किया, जो वायरल हो गया है। लोग वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं।

वीडियो में महिला अपने लॉन्ग डिस्टेंस बॉयफ्रेंड के लिए अपने प्यार का इजहार खूबसूरती से करती नजर आ रही है, जिससे वह पांच साल बाद मिली थी। दरअसल, लड़की अपने बॉयफ्रेंड को हवाईअड्डे पर लेने गई थी। यहां जैसे ही उसका साथी सामान से भरी ट्रॉली के साथ हवाईअड्डे से बाहर आया तो कुछ लोगों ने उसका स्वागत किया और गुलाब दिया।

लड़का अपनी प्रेमिका को ढूंढने लगता है कि कहां हैं। ऐसे में अचानक लड़की सामने आती है और फिल्म शेरशाह के रतां लंबियां गाने पर डांस कर स्वागत करती है। बॉयफ्रेंड आश्चर्य चकित होकर देखता रहता है और उसे गले लगाने के लिए इंतजार कर रहा होता है।

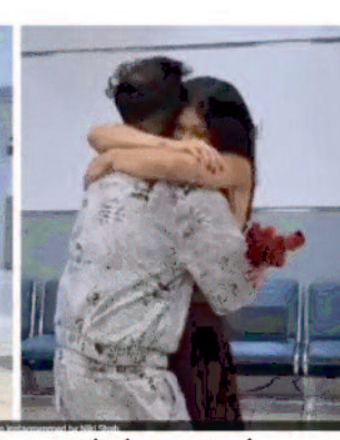

लंबे कैप्शन के साथ पोस्ट

वीडियो को इंस्टाग्राम पर निकी शाह ने साझा किया है, जो टोरंटो की एक कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने लिखा, मुझे यह साबित करने दें कि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप एक सामान्य रिश्ते की तरह ही अद्भुत होते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक लंबे कैप्शन में लॉन्ग डिस्टेंस के रिश्तों के बारे में भी बात की।

दो लोग काम करने के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने लिखा, सच्चाई यह है कि नॉनलॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में भी बहुत सारी समस्याएं होती हैं। बस फर्क इतना है कि समस्याएं हर कपल के लिए अलग होती हैं, लेकिन एकमात्र रिश्ते जो जिंदा रहते हैं, वे हैं जहां दो लोग इस पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हों।

वीडियो को 33 लाख से अधिक बार देखा गया

उन्होंने आगे कहा, मैं वास्तव में मानती हूं कि यदि आप लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में पास हो जाते हैं तो आप एक ऐसे रिश्ते को तैयार करते हैं, जो बहुत अच्छा होता है। तो आगे बढ़ें, उस एक व्यक्ति को ढूंढें, जहां आपका साथी आपको दुनिया का सबसे खुशी इंसान बनाता है। इससे आप दूर रहकर भी रिश्ते को बचा सकेंगे और ऐसे रिश्ते को बना पाएंगे, जिसके बारे में लोग सपना देखते हैं। शेयर किए जाने के बाद से, वीडियो को 33 लाख से अधिक बार देखा गया है और 1.4 लाख से अधिक लाइक्स मिले हैं।

माथे पर बनवाया था टैटू

इससे पहले, ब्रिटेन में एक महिला ने उस समय इंटरनेट पर सनसनी फैला दी थी, जब उसने अपने माथे पर अपने साथी के नाम पर टैटू बनवा लिया था। इन्फ्लुएंसर एना स्टैन्सकोवस्की ने अपने माथे पर केविन नाम का टैटू बनवाते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया।

दिवाली का जश्नः अमेरिका में मेयर ने हिंदुओं के साथ मनाया जश्न,ब्रिटेन में कई मंत्री पहुंचे भारतीय दूतावास

जॉर्जिया,10 नवम्बर 2023। देश-दुनिया में दिवाली का उत्साह देखने को मिल रहा है। बुधवार को हिंदू अमेरिकी समुदायों ने रोशनी का त्योहार मनाया। इस मौके पर अटलांटा के मेयर आंद्रे डिकेंस भी दिवाली के जश्न और रात्रिभोज में शामिल हुए।

अटलांटा मजबूत और बेहतर

मेयर ने कहा कि यह निर्विवाद है कि अटलांटा मजबूत और बेहतर है। हम आभारी है कि हमारे यहां कई अंतरराष्ट्रीय समुदाए हैं और लोगों ने अटलांटा को अपना घर बनाया हुआ है। दक्षिण एशियाई व भारतीय समुदाय अटलांटा की संस्कृति और अटलांटा की अर्थव्यवस्था पर अविश्वसनीय प्रभाव डालते हैं।

भारतीय उद्यमियों की सराहना

उन्होंने भारतीय उद्यमियों द्वारा अटलांटा की अर्थव्यवस्था में किए गए योगदान की सराहना की, जो हजारों रोजगार लेकर आए। उन्होंने नागरिक अधिकार आंदोलन में महात्मा गांधी के विशेष योगदान पर भी बात की। उन्होंने कहा, जिस तरह गांधी डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के लिए मार्गदर्शक थे। मैं आप सभी को उत्सव की उज्ज्वल शाम और एक अद्भुत दिवाली उत्सव की शुभकामनाएं देता हूं।

दिवाली मनाकर खुश

उन्होंने कहा, हम दिवाली मनाकर खुश हैं।

सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक दिवाली अंधेरे पर प्रकाश की जीत का जश्न मनाता है। इस बीच, न्यूयॉर्क राज्य के सीनेटर केविन थॉमस ने बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डग एमहॉफ के साथ दिवाली समारोह में भाग लिया।

ब्रिटेन में भी मना जश्न

पहली बार वेल्स के प्रथम मंत्री और दो सबसे वरिष्ठ मंत्री (स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था) बुधवार को कार्डिफ में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित दिवाली समारोह में शामिल हुए। वेल्स सरकार और भारत के वाणिज्य दूतावास ने मिलकर दिवाली समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर, वेल्स के प्रथम मंत्री मार्क ड्रेकफोर्ड ने अगले वर्ष एक नई वेल्स और भारतीय आर्थिक पहल की योजना की घोषणा की।

पोंटकैना में ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए 69 वर्षीय लेबर राजनेता ने कहा कि दोनों देशों के बीच और भी अधिक अच्छे आर्थिक तथा सांस्कृतिक संबंध बनाना है। इस बीच उन्होंने अगले साल होने वाली एक योजना का भी खुलासा किया। बता दें, सेंट डेविड डे के मौके पर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित कई शहरों में अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

भारत से रिश्ते सुधारने में जुटा कनाडा,दोनों देशों के विदेश मंत्रियों में हो रही बातचीत

ओटावा,10 नवम्बर 2023। भारत और कनाडा के रिश्ते इन दिनों खराब दौर से गुजर रहे हैं। अब कनाडा की विदेश मंत्री मेलिनी जॉली ने कहा है कि वह भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के संपर्क में हैं और दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिश जारी है। मेलिनी जॉली ने कहा कि यह समय दोनों देशों के लिए मुश्किल है क्योंकि दोनों देशों के रिश्तें दशकों से मजबूत हैं। कनाडा की विदेश मंत्री को जापान के टोक्यो में जी7 की बैठक में शिरकत करनी है, उससे पहले मीडिया से बात करते हुए मेलिनी जॉली ने उक्त बातें कही।

क्या बोलीं कनाडा की विदेश मंत्री

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कनाडा की विदेश मंत्री से भारत से रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा जब भारत की बात आती है तो वह पहले भी कई बार कह चुकी हैं...वह अपने समकक्ष एस जयशंकर के संपर्क में हैं और हम जानते हैं कि यह हमारे संबंधों के लिए खराब समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि हम इस मुश्किल समय से निकल जाएंगे। हमारे साझा हित हैं और हम मिलकर इसका समाधान निकाल सकते हैं। बीते दिनों भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेज दिया था। इस पर मेलिनी जॉली ने कहा कि कनाडा के राजनयिकों को भारत से इसलिए आना पड़ा क्योंकि भारत ने उनकी राजनयिक प्रतिरक्षा वापस ले ली थी। ऐसे में हम उनकी सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते थे।

भारत-कनाडा विवाद पर कही ये बात

क्या अब कनाडा भारत के बीच का विवाद खत्म हो गया है? इसके जवाब में कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजा लेकिन कनाडा बदले की कार्रवाई नहीं करेगा। बता दें कि भारत और कनाडा के रिश्तों में उस वक्त खटास आ गई थी, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत ने ट्रूडो के आरोपों को निराधार और बेतुका बताया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि बीते महीने भारत ने फिर से वीजा सेवाओं को बहाल कर दिया है।

बता दें कि बीती 18 जून को कनाडा के सरे में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की गुरुद्वारे की पार्किंग में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हरदीप सिंह निज्जर भारत में वांछित अपराधी था। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर ही भारत कनाडा के रिश्तों में दरार आ गई है।

महिलाओं सहित भूमिहीन लोगों को भी देगी भाजपा सम्मान,अनियमित कर्मचारी भी होंगे लाभान्वित।

भाजपा का घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ के लिए सभी वर्गों को ध्यान में रखकर हुआ तैयार।

सरकार आई तो सारी घोषणाएं होंगी पूरी,कोई घोषणा नहीं रहेगी अधूरी क्योकि मोदी की गारंटी है

गरीब का ख्याल मोदी जी की है गारंटी,पांच साल मुफ्त चावल की देकर कोई भूखा न रहे यह है मोदी जी का ही संकल्प।

कांग्रेस की पिछली घोषणा-पत्र ही साबित हुई झूठ का पुलिंदा, आधे से ज्यादा वादे पूरा करने से मुकर चुकी कांग्रेस सरकार

किसानों के साथ कर्मचारियों का भी भाजपा ने घोषणा-पत्र में रखा ध्यानःशैलेश शिवहरे

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा ने 178 बिंदुओं में अपना संकल्प पत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए जारी किया है। 178 घोषणाओं में जिसे भाजपा ने अपना संकल्प कहा है और उसे पूरा करने की भाजपा ने गारंटी ली है जिसे मोदी जी की गारंटी कहा गया है को लेकर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष साथ ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने अपना बयान जारी किया है और उन्होंने भाजपा के घोषणा पत्र जिसे संकल्प पत्र और मोदी जी की गारंटी कहा गया है को लेकर उन्होंने कहा है की भाजपा का संकल्प पत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा में जाकर वहां के लोगों से मिलकर उनकी मांगों के अनुरूप तैयार किया गया है जिसमे 178 बिंदुओं में भाजपा ने छत्तीसगढ़ में सरकार बनने पर संकल्प लिया है।

शैलेश शिवहरे ने आगे कहा की प्रदेश के चुनाव के लिए भाजपा ने जो संकल्प पत्र जारी किया है वह किसी एक वर्ग के लाभ तक सीमित नहीं है संकल्प पत्र में किसान का भी पूरा ध्यान रखा गया है जो कांग्रेस की घोषणा पत्र के अनुसार देखा जाए तो अधिक लाभ देने वाला संकल्प है वहीं गरीब वर्ग,मजदूर वर्ग,नियमित कर्मचारी वर्ग, अनियमित कर्मचारी वर्ग, पंचायत सचिव, स्कूलों के सफाई कर्मरचारियो, मितानिनों, विवाहित महिलाओं, वृद्धजनों, निराश्रितों, दिव्यांग जनों, बीमारी से ग्रसित किसी व्यक्ति सहित बेरोजगार नवयुवकों सभी का ध्यान रखा गया है। घोषणा पत्र में भाजपा का संकल्प है की यदि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो सभी संकल्प पूरे किए जायेंगे कोई भी संकल्प अधूरा नहीं रहेगा यह भाजपा का वादा है मोदी जी की गारंटी है। प्रदेश में वैसे भी वर्तमान सरकार का कार्यकाल प्रदेश वासियों ने देख लिया है, बड़ी बड़ी घोषणा करके आने वाली सरकार में आने वाली कांग्रेस अपनी पूर्व की ही घोषणाएं पूरी नहीं कर पाई और पूरे पांच साल कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की लड़ाई देखी गई वहीं विधायकों की परेड दिल्ली कराई जाती रही, प्रदेश के विधायक कांग्रेस के या तो मुख्यमंत्री बनाने और बचाने दिल्ली में डटे रहे या देश भर के चुनावों में जाकर प्रचार करते रहे अपने क्षेत्र से वह नदारद रहे जो इस सरकार की सबसे बड़ी विफलता है क्योंकि जरूरत में अपने विधायक को लोगों ने अपने बीच कम ही पाया। भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर शैलेश शिवहरे ने लोगों से अपील करते हुए डबल इंजन की सरकार प्रदेश में स्थापित हो इसके लिए भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की बात कही है। भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर शैलेश शिवहरे ने यह भी कहा की यह संकल्प मोदी जी की गारंटी है और प्रदेश में भाजपा की सरकार बन भी रही है ऐसे में बैकुंठपुर से भी हमे विधायक चुनकर भाजपा का भेजना है जिससे बैकुंठपुर का भी विकास तेजी से हो सके जिसे कहीं न कहीं जिला विभाजित कर वर्तमान सरकार और विधायक ने अवरुद्ध करने का प्रयास किया है। शैलेश शिवहरे ने भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर विस्तार से बताया और इसे प्रदेश वासियों के प्रत्येक वर्ग के लिए लाभप्रद घोषणा बताया।

कांग्रेस अपने वादों से मुकर कर बता चुकी वह फिर से वादा खिलाफी से बाज नहीं आने वाली

शैलेश शिवहरे ने यह भी कहा की भाजपा 178 गारंटी के साथ चुनाव लड़ रही है वहीं कांग्रेस 20 वादे के साथ मैदान में है, कांग्रेस वही वादे कर के मैदान में है जो वह पिछले चुनाव में करके भी पूरा नहीं कर सकी, कर्मचारियों और महिलाओं के लिए कांग्रेस की कोई सोच नहीं है जो घोषणा में साफ देखा जा सकता है,महिला समूहों का ऋष्ण माफ वह पिछली बार भी करके सरकार में आए थे, दो वर्ष के धान का बोनस उनका वादा था, अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण उनका वादा था,सफाई कर्मचारियों मितानिनों के लिए उनका वादा था शराब बंदी उनका वादा था, कर्ज माफी भी आधी अधूरी की गई फिर उनका वादा है जो फिर वह पूरा नहीं करने वाले इसलिए भाजपा को चुनना है और प्रदेश के हर वर्ग के लिए सोचने वाली सरकार बनानी है। शैलेश शिवहरे ने यह भी कहा की 178 संकल्प में सभी का बखान कर पाना मुश्किल है लेकिन सभी संकल्प पूरा होगा यह भाजपा और मोदी जी का वादा है। भाजपा से भईयालाल राजवाड़े इलाज वाले बाबा को चुनाव में जीत दिलाने उन्होंने लोगों से अपील की।

पांच साल मुफ्त अनाज,कोई भूखा न रहे यह मोदी जी पहले ही प्रदान कर रहे सुविधा

शैलेश शिवहरे ने कहा की मोदी जी ने पांच वर्ष के लिए पूरे देश में मुफ्त अनाज की घोषणा पहले की कर दी है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। देश में कोई भूखा न रहे इसके लिए उन्होंने पहले ही चावल के निर्यात पर पाबंदी लगा रखी है। मोदी जी देश हित और देश की सुरक्षा के लिए जितने गंभीर हैं उतने ही देशवासियों के लिए यह वह साबित करते चले आ रहे हैं।

बीमार का होगा मुफ्त इलाज

अब गंभीर बीमारी के इलाज में भी सुविधा सरकार प्रदान करेगी,अब हमारे इलाज वाले बाबा भईयालाल राजवाड़े के लिए बीमार लोगों का इलाज करा पाना और आसान होगा क्योंकि अब उनके साथ मोदी जी की गारंटी होगी जो उन्हे पहले से ज्यादा सहायक साबित होगी,हमे बैकुंठपुर से इलाज वाले बाबा को ही चुनना है यह उन्होंने अपील की है।

बेरोजगार को मिलेगा रोजगार,रोजगार के लिए मिलेगा कम ब्याज दर पर कर्ज भी

भाजपा की गारंटी में शासकीय नौकरी के लिए भी वादे की बात शैलेश शिवहरे ने बताई,शिक्षकों के रिक्त पद भरे जायेंगे, कम ब्याज दर पर ऋष्ण मिलेगा यह गारंटी भाजपा की है।

भूमिहीन को मिलेगी 10000 प्रतिवर्ष की सहायता

प्रदेश के भूमिहीन लोगों के लिए भी भाजपा ने संकल्प लिया है,अब भूमिहीन प्रदेश वासी को 10000 प्रतिवर्ष की सहायता मिल सकेगी। कुल मिलाकर सभी का ध्यान भाजपा ने संकल्प पत्र में रखा है।

किसानों को मिलेगा उनके उपज का उचित मूल्य, धान 3100 प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल की होगी खरीदी,एक साथ होगा भुगतान,दो वर्ष के बकाया बोनस का भी 25 दिसंबर को ही होगा भुगतान

शैलेश शिवहरे ने बताया की किसानों को उनके उपज का उचित मूल्य पहला संकल्प है भाजपा का, धान अब 21 क्विंटल वह भी 3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जायेगा,किसानों को एकमुश्त धान के समर्थन मूल्य का भुगतान किया जाएगा,अब किस्तों में भुगतान नहीं होगा,किसानों को उनके खरीफ फसल के वर्ष 2016,2017 व 2017,2018 के धान के बकाया बोनस राशि का भुगतान 300के दर से 25 दिसंबर को इसी वर्ष कर दिया जाएगा। किसानों के लिए यह अति महत्वपूर्ण घोषणा है जो भाजपा का संकल्प है। किसान समृद्धि भाजपा के संकल्प का सबसे पहला बिंदु है। कांग्रेस एक तरफ कई किस्तों में धान के मूल्य का भुगतान करती है वहीं वह पिछले बकाया बोनस के भुगतान की बात करके भी मुकर चुकी है,इसलिए भाजपा का संकल्प किसानो के हित के पक्ष में जारी किया गया है।

नियमित कर्मचारी,पंचायत सचिव,अनियमित कर्मचारियों,पुलिसकर्मियों, सहायक शिक्षकों,मितानिनों,सफाई कर्मचारियों का भी संकल्प पत्र में रखा गया है ध्यान

शैलेश शिवहरे ने बताया की भाजपा ने संकल्प पत्र में किसी एक वर्ग के लिए ही घोषणा नहीं की है,किसानों के अलावा अब कर्मचारी भी प्रदेश के भाजपा शासन काल में समृद्ध होंगे और उन्हे हड़ताल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी,प्रदेश में कर्मचारियों के लिए कई घोषणा करके सत्ता में आई कांग्रेस ने कर्मचारियों को पांच साल केवल ठगने का काम किया,मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के लिए भी हड़ताल करने मजबूर कर दिया और उनके वर्ष भर के महंगाई भत्ते को पचा लिया,कर्मचारी पांच साल सड़को पर हड़ताल करते नजर आए,आज तक के इतिहास में कभी कर्मचारी महंगाई भत्ते के लिए हड़ताल पर नहीं गया,छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के लिए हड़ताल करना पड़ा वह भी उन्हे देय तिथि से न देकर लागू तिथि से दिया गया,अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की बात करके सत्ता में आने वाली कांग्रेस अनियमित कर्मचारियों को नियमित नहीं कर सकी मुकर गई, सफाई कर्मचारी स्कूल के नाराज हैं,मितानिन नाराज हैं,सहायक शिक्षक नाराज हैं पांच साल हड़ताल करते रहे, पुलिसकर्मी साप्ताहिक अवकाश की बाट जोहते रह गए। कुल मिलाकर वर्तमान सरकार कर्मचारी विरोधी सरकार साबित हुई, भाजपा के संकल्प का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा की भाजपा सहायक शिक्षकों का वेतन विसंगति मामला दूर करने का संकल्प ले चुकी है,कर्मचारियों को समय पर क्रमोन्नति मिलेगी,महंगाई भत्ता केंद्र के समान तत्काल दिया जाएगा,पंचायत सचिव नियमित होंगे साथ ही उन्हे पूर्व के एरियर्स का उनके सीपीएफ खातों में समायोजन होगा,पुलिसकर्मियों के लिए भी योजना है,अनियमित कर्मचारी अपने हित का निर्णय खुद लेंगे उनके लिए कमेटी बनेगी जिसमे वह या उनके संघ सदस्य सदस्य होंगे,कर्मचारियों की समस्याओं सहित उनकी मांगों के निराकरण के लिए 100 दिवस के भीतर कमेटी बनेगी, स्कूल सफाई कर्मियों का मानदेय 50 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा,मितानिन भी लाभांवित होंगी। कुल मिलाकर कर्मचारियों को लेकर भाजपा का संकल्प उनके समग्र हित अनुसार है जो उन्हे फायदा पहुंचाएगा। कर्मचारी ही किसान भी हैं इस तरह उन्हे किसान होने का भी फायदा मिलेगा और कर्मचारी होने का भी फायदा उनका दोहरा लाभ इस तरह तय होगा।

विवाहित महिलाओं को महतारी वंदन योजना अंतर्गत मिलेगा 1000 रुपए प्रतिमाह,12000 वार्षिक

शैलेश शिवहरे ने बताया की भाजपा सहित मोदी जी का संकल्प है की अब महिलाएं भी सशक्त होंगी, उन्हे भी सम्मान मिलेगा भाजपा की सरकार बनते ही, प्रदेश की विवाहित महिलाओं को अब 1000 प्रतिमाह राशि 12000 वार्षिक प्रदान किया जाएगा प्रदेश में सरकार भाजपा की बनते ही,यह अत्यंत महत्वपूर्ण घोषणा है। अब महिलाएं किसी के आगे हांथ फ़ैलाने मजबूर नहीं होंगी उन्हे उनका हक मिलेगा जो भाजपा की मोदी जी की गारंटी है। यह योजना प्रत्येक विवाहित महिला के लिए लागू होगा जो भाजपा का बड़ा संकल्प है।

गुलाब कमरो ने कांग्रेसियों को बांट दी स्वेच्छानुदान की राशि,बना चुनावी मुद्दा,भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह लगातार खोल रही हैं कमरो की पोल

भाजपा पूर्व विधायक की स्वेच्छानुदान का पर्चा कांग्रेस प्रत्याशी ने पिछले चुनाव के दौरान बंटवाया...

इस चुनाव कांग्रेस विधायक की स्वेच्छानुदान का पर्चा भाजपा प्रत्याशी बंटवा रही

आरोपों की बौछार

भरतपुर सोनहत के विधायक एवं सविप्रा के उपाध्यक्ष गुलाब कमरो ने सत्ता का भरपूर फायदा उठाया है, यही नही कमरो समर्थक भी इससे पीछे नही है, वनाचंल भरतपुर क्षेत्र की बात हो या सोनहत क्षेत्र की बात हर क्षेत्र में इनके समर्थको ने अपना राज स्थापित कर लिया था, किसी भी कार्य में इनका ही हस्तक्षेप पूरे पांच वर्ष देखने को मिलता था,जनता इनके कारनामें से त्रस्त थी जिसका असर अब देखने को मिल रहा है, सचिव आत्महत्या कांड का मामला हो या फिर सुमित शर्मा की हत्या का मामला इन दोनो मामलो के आरोपी भी कहीं न कहीं गुलाब कमरो से ही ताल्लुकात रखते हैं, तो वहीं निर्माण कार्यों में भी इनकी ही ठेकेदारी चलती थी, विधायक गुलाब कमरो ने एक ओर जहां अपनी के नाम गरीबी रेखा का कार्ड बनवा रखा था तो वहीं बहन भी दोहरा मानदेय ले रहीं हैं इन आरोपो के बाद अब स्वेच्छानुदान से जुड़ा मामला भी सामने आ रहा है,चुनावी फिजा में कमरो द्वारा बांटा गया अनुदान सोशल मीडिया मे तैर रहा है,उन्होने अपने करीबी एवं कांग्रेसियों को भी इसका लाभ दिया है,भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने इसे अपने सोशल मीडिया पेज से भी प्रचार करना शुरू कर दिया है,चुनाव के अंतिम समय में पोल खोल अभियान से कमरो की मुसीबत बढ सकती है।

कांग्रेसी एवं चेहतो को मिला स्वेच्छानुदान

पांच साल तक भरतपुर सोनहत क्षेत्र में विधायक गुलाब कमरो ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सत्ता का भरपूर फायदा उठाया है,गरीब एवं कमजोर तबके के लोगो को जो आर्थिक सहायता मुहैया कराने का प्रावधान है उससे अलग हटकर अपने कार्यकर्ताओं एवं चहेतो को भी स्वेच्छानुदान की राशि उपलब्ध करा दी गई है। उक्ताशयत का आरोप भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने भी लगाया है और सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो का भ्रष्टाचार घोटाला,स्वेच्छानुदान की राशि अमीरो व कांग्रेसियों में बांटी। कमरो के कारनामे के तहत उन्होने आरटीआई से प्राप्त सूची भी जारी की है, जिसके अनुसार ब्लांक कांग्रेस अध्यक्ष रविप्रताप सिंह की पत्नी दुर्गा सिंह के नाम पर 1 लाख 50 हजार, रविप्रताप सिंह के पुत्र श्रेयस सिंह के नाम पर भी 1 लाख 50 हजार,खुद के ड्रायवर जावेद अख्तर के नाम पर 50 हजार, मीडिया प्रतिनिधि प्रेमसागर तिवारी के नाम पर 20 हजार, अपने करीबी प्रदीप साहू की बेटी सोनाली साहू के नाम पर 1 लाख,अपने प्रतिनिधि अविनाश पाठक के भाई आकाश पाठक के नाम पर 1 लाख,अपने खास एवं सांसद प्रतिनिधि नई लेदरी विष्णु दास के नाम पर 1 लाख 50 हजार, करीबी मोहम्मद आसिफ की पत्नी अकबरी खातुन के नाम पर 50 हजार एवं करीबी प्रदीप साहू के नाम पर 30 हजार रूपये बांटा गया है। रेणुका सिंह द्वारा इस मुद्दे को जोर शोर से उठाकर जनता के बीच रखा जा रहा है।

-रवि सिंह-
भरतपुर सोनहत 10 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण के मतदान संपन्न होने के बाद राजनितिक पार्टियां दूसरे चरण के मतदान के प्रचार-प्रसार में जुट गई हैं। राजनितिक पार्टियां अपने प्रतिद्वंदियों को पटखनी देने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही हैं। सोनहत में 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर गुलाब कमरो ने उस समय की भाजपा विधायक रहीं चंपादेवी पावले के खिलाफ स्वेच्छानुदान राशि को खर्च करने का पर्चा बंटवाया था और उस पर बंदरबांट का आरोप लगाया था, लेकिन इस बार अब वैसा ही पर्चा श्री

कमरो के खिलाफ क्षेत्र में बंट रहा है। स्वेच्छानुदान राशि के बंदरबांट का यह पर्चा इस चुनाव में उनके ही गले की फांस बन गया है।

उल्लेखनीय है कि, सोनहत में 2018 के पर्चे के जवाब में 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में किये जाने वाले व्ययों का पर्चा बंटवाया है। इन पर्चों में गुलाब कमरो द्वारा दी गई स्वेच्छानुदान राशि का जिक्र है। पर्चे में विधायक के कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को स्वेच्छानुदान की राशि बांटे जाने का जिक्र है। पर्चे में दिखाया गया है कि, जो जरूरतमंद नहीं थे उनको पैसे बांटे गए हैं। आपको बता दें कि, पिछले चुनाव में गुलाब कमरो ने पर्चा बंटवाकर माहौल अपने पक्ष में बनाया था, इस चुनाव में उनका यह दांव उन पर ही उल्टा पड़ गया है। अब देखना काफी दिलचस्प होगा कि, इस बार का पर्चा किस पर और कितना भारी पड़ता है।

कमरो की कार्यशैली से रुष्ठ नजर आ रही जनता,नहीं दिख रहा उत्साह

विधायक गुलाब कमरो की कार्यशैली इन पांच वर्षों में काफी बदली है, कभी सामान्य इंसान के रूप में अपनी पहचान रखने वाले गुलाब कमरो की भाषा और चाल ढाल में भी बदलाव देखा जाता है, कार्यशैली में बदलाव का असर इस बार चुनाव मे भी देखने को मिल रहा है,चुनावी सभाओ व जनसंपर्क मे दिख रही भीड़ इस बात का साफ संकेत है। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र में वैसे भी महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा है, जिस प्रकार से रेणुका सिंह द्वारा अपने दौरे में महिलाओ से मिलकर उन पर प्रभाव डाला जा रहा है उससे लगता है कि महिला मतदाताओं का समर्थन उन्हे मिल सकता है। देखने में मिल रहा है कि एक ओर रेणुका सिंह के जनसंपर्क मे आमजन की भीड़ दिखलाई दे रही है तो वही गुलाब कमरो के दौरे में अपेक्षाकृत भीड़ भी नही दिखलाई दे रही है। कमरो की कार्यशैली एवं उनके कार्यकर्ताओं के द्वारा पांच वर्ष किया गया सत्ता का दूरूपयोग उन्हे भारी पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

घोषणाएं हवा हवाई,कई कार्य कागजो में स्वीकृत

विधायक गुलाब कमरो के द्वारा पूरे पांच वर्ष और खासकर कोरोना के बाद जब आर्थिक मंदी की स्थिति थी, उस दौरान भी अपने क्षेत्र में विकास कार्य के लिए पैसे लाने का ढिंढोरा खूब पीटा गया है,लेकिन इस क्षेत्र में विकास कार्य उतने दिखलाई नही देते जितनी घोषणाएं या कार्य स्वीकृत होने की जानकारी दी गई है। कोरोना काल के बाद भी कई हजार करोड़ रूपये भरतपुर सोनहत क्षेत्र में लाने का दावा किया गया है,लेकिन धरातल पर स्थिति एकदम अलग है। हवा हवाई घोषणाएं भी चुनावी मुद्दा बन गई हैं।

कमरो पर लगातार हमले कर रही हैं रेणुका सिंह

वर्तमान में केन्द्रीय राज्यमंत्री और भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी रेणुका सिंह की पहचान एक तेज तर्रार नेत्री के रूप में की जाती है,वे अपने राजनैतिक तौर तरीके के लिए हमेशा चर्चित रही हैं,यही कारण है कि उनके इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने से मामला रोचक हो चुका है,पूर्व में एकतरफा जीत के लिए आश्वस्त कांग्रेस प्रत्याशी को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं रेणुका सिंह द्वारा अपने हर चुनावी सभा में गुलाब कमरो पर हमले किए जा रहे हैं,सोशल मीडिया पेज पर भी कमरो के खिलाफ मुद्दो को प्रचार किया जा रहा है। वैसे भी गुलाब कमरो समर्थको का हर काम में खुला हस्तक्षेप पूरे पांच वर्ष तक देखने को मिला है,सप्लाई से लेकर निर्माण कार्यो मे दखलंदाजी से सरपंच सचिव एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी भी त्रस्त थे।

सोनहत क्षेत्र में राजन,सुरेश और अविनाश ने उठाया भरपूर फायदा

विधायक गुलाब कमरो के क्षेत्र सोनहत में उनसे जुड़े राजन पांडेय, ब्लाक अध्यक्ष सुरेश सिंह और अविनाश पाठक ने भी सत्ता का भरपूर फायदा उठाया है, क्षेत्र के नागरिक भी उनके कारनामो और जबरन किसी भी कार्य में हस्तक्षेप को लेकर पूरे पांच वर्ष तक परेशान थे। शासकीय कार्यालयों में भी इनका जबरन हस्तक्षेप था। अधिकारी कर्मचारी वर्ग भी इनकी मनमानी से त्रस्त था।

भरतपुर में रविप्रताप सिंह और अंकुर सिंह का हस्तक्षेप

वनांचल भरतपुर क्षेत्र में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रविप्रताप सिंह की पहचान भी कमरो समर्थको के रूप में है,जिनके ऊपर सचिव को प्रताड़ित करने के कारण आत्महत्या का मामला दर्ज है,रविप्रताप सिंह एवं भरतपुर निवासी अंकुर सिंह ने भी इस क्षेत्र में सत्ता का भरपूर फायदा उठाकर लोगो को परेशान किया है, रेत के कारोबार में भी लोगो की संलिप्तता बतलाई जाती है।

अधिकारी कर्मचारी भी हुए हैं कमरो से प्रताड़ित

भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह द्वारा अपनी चुनावी सभा में यह बात भी प्रमुखता से उठाई जा रही है जिसमें कि कमरो पर शासकीय अधिकारी कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का आरोप है। रेणुका सिंह ने कहा है कि गुलाब कमरो द्वारा जानबुझकर अधिकारी कर्मचारी को स्थानांतरण कर प्रताड़ित किया जाता था, एमसीबी से लेकर कोरिया जिले के अधिकारी कर्मचारी कमरो की इस प्रताड़ना से तंग थे।

राजनीति में युवाओं का भविष्य तो चौपट हो ही रहा अब क्या राजनीति में बच्चों के भी भविष्य को चौपट करने की है तैयारी ?

क्या जिन बच्चों के हाथ में किताब व पीठ पर स्कूल के बैग होने चाहिए अब उनके हाथों और कंधों पर कांग्रेस के प्रचार की जिम्मेदारी ?

बैकुंठपुर विधानसभा में क्या कांग्रेस के कार्यकर्ता कम पड़ गए कि अब बच्चों से करवाया जा रहा प्रचार प्रसार ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर, 10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी का प्रचार जोर शोर से जारी है, कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा कार्यकर्ताओं से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं वह अपने समय का पूरा सदुपयोग कर रहे हैं गांव मोहल्ला टोला में वह घर घर दस्तक दे रहे हैं वहीं भाजपा कार्यकर्ता मंचों तक ही सीमित हैं जमीनी प्रचार प्रसार उनका शून्य है घोषणाओं को लेकर भी भाजपा कार्यकर्ता मौन हैं जनता तक घोषणाओं को पहुंचा पाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, एक जगह बैठकर ही उनका प्रचार प्रसार संपन्न हो जा रहा है यह देखा जा रहा है वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी शिद्दत से प्रचार में लगे हुए हैं, इसमें कोई शक नहीं जो नजर भी आ रहा है, लेकिन इसी बीच कांग्रेस पार्टी के प्रचार की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली जा रही हैं जिसमे नाबालिक बच्चे स्कूल जाने लायक बच्चे कांग्रेस का झंडा लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस का प्रचार कर रहे हैं जिसे लेकर सोशल मिडिया पर बहस जारी है की राजनीति में युवा वर्ग तो अपना भविष्य चौपट कर ही रहा है वहीं अब नाबालिक बच्चों को भी राजनीति में इस्तेमाल किया जा रहा है जो उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ जैसा मामला है।

सोशल मीडिया में डाली गई कुछ पोस्टों को पढ़ने के बाद यह सच भी लगता है की जिन नाबालिक साथ ही स्कूल जाने लायक बच्चों को प्रचार में इस्तेमाल किया जा रहा है उनके कंधे पर हाथों में कांग्रेस पार्टी के प्रचार की जिम्मेदारी डाली गई है उन्हे स्कूल जाने के लिए प्रेरित करना पढ़ने के लिए प्रेरित करना ज्यादा जरूरी है। वैसे जिन बच्चों के हाथों में कांग्रेस का झंडा नजर आ रहा है जो नाबालिक और कम उम्र के बच्चे हैं वह किसी नेता या कार्यकर्ता के बच्चे नहीं हैं यह सबसे बड़ा सच है, वहीं सवाल उठ रहा है की जब बच्चों से प्रचार की नौबत है तो अपने बच्चों से भी प्रचार करवाएं नेता और कार्यकर्ता जबकि वह ऐसा नहीं करते नजर आ रहे। वैसे हो सकता है खबर आने के बाद कोई नेता या कार्यकर्ता नई फोटो भेजकर यह साबित करे की उसके भी बच्चे प्रचार में शामिल थे लेकिन वर्तमान तस्वीर में किसी नेता का नाबालिक बच्चा प्रचार में शामिल नहीं है यह सबसे बड़ा सत्य है। राजनीति में युवा वर्ग आजकल ज्यादा सक्रिय नजर आने लगा है और उसका कारण यह माना जाता है की युवा वर्ग को सफलता का यह सबसे सरल माध्यम नजर आता है जहां न पूंजी की जरूरत है न ही मेहनत की न ही दिनभर खाने पीने की ही चिंता वहीं प्रत्याशी के जितने पर उसे अपने लिए आसानी से रोजगार की उपलब्धता की आशा रहती है इसलिए वह सक्रिय रहते हैं वैसे युवाओं के सोच के विपरीत ही जब उनका प्रत्याशी जीतकर आता है उन्हे परिणाम मिलता है क्योंकि कुछ को छोड़कर शेष को झुनझुना ही मिलता है जो वह बजाते रहते हैं और आगे अपनी रोजी रोटी के जुगाड में लग जाते हैं। अब युवाओं के बाद छोटे बच्चों को भी राजनीति में उपयोग किया जा रहा है जो भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

क्या कंग्रेसी प्रत्यासी के समर्थको में जागरूकता की कमी ?

होना यह चाहिए की प्रचार के दौरान किसी गांव में जाने पर राजनीतिक दल के लोग बच्चों को रैलियों से दूर रखें और उनके हाथों में झंडा देकर उन्हें नारा लगाने कहने से बचें क्योंकि अभी से उनके मन में राजनीतिक विचारधारा का प्रवेश कराना कतई घातक है क्योंकि अभी उन्हे पढ़ना लिखना है और आगे बढ़ना है वहीं अभी वह नासमझ हैं और उन्हे पढ़ाई के लिए ही प्रेरित करने की जरूरत है उन्हे झंडा पकड़ाने की जरूरत नहीं है उनका कंधा और हांथ अभी पढ़ाई का ही बोझ उठाए तभी बेहतर समाज का निर्माण संभव है। कांग्रेस के प्रचार में बच्चों का झंडा लेकर आगे आगे चलना नारे लगाना कहीं से अनुचित है और इसे सही नहीं कहा जा सकता है। सोशल मीडिया में लोग यह भी लिखते नजर आ रहे हैं की क्या कांग्रेस के पास कार्यकर्ताओं की कमी हो गई है जो उन्हे अबोध नाबालिक बच्चों की जरूरत प्रचार के लिए पड़ गई है।

विधानसभा अध्यक्ष के कार्यक्रम में भी कांग्रेस ने स्कूली बच्चों की भीड़ जुटा कर जागरूकता की कमी जाहिर की थी

वैसे विधानसभा अध्यक्ष के कार्यक्रम में भी कांग्रेस ने स्कूली बच्चों की भीड़ जुटाकर कार्यक्रम को सफल दिखाने का प्रयास किया था जिसमे एक निर्दोष प्राचार्य निलंबित कर दिए गए जबकि उनकी गलती से ज्यादा बड़ी गलती स्कूल परिसर में आमसभा और हेलीकॉप्टर उतारने की अनुमति देने वाले अधिकारी की गलती थी,उपस्थित प्रशासन के कर्मचारियों की पुलिस विभाग के कर्मचारियों की गलती थी जिन्होंने बच्चों को हेलीकॉप्टर देखने की उत्सुक्तता से रोकना मुनासिब नहीं समझा अनुमति देते समय स्कूल को कोई निर्देश जारी नहीं किया स्कूल परिसर में प्रतिबंधित क्षेत्र नहीं बनाया।खैर निर्वाचन के दौरान शिक्षक हाशिए पर रहता है जो पटना के स्कूल ग्राउंड कार्यक्रम के दौरान भी देखा गया शिक्षक प्राचार्य निलंबित हो गए वहीं जिस पार्टी का कार्यक्रम था उसके नेता को नोटिस मात्र मिला जिसका जवाब उन्होंने दे दिया मामला समाप्त हो गया। अब इस मामले में किस पर कार्यवाही होगी जबकि यहां भी स्कूल जाने लायक छात्र ही झंडा पकड़े नजर आ रहे हैं वहीं कुछ स्कूल ड्रेस में भी हैं। निर्वाचन आयोग क्या इस मामले में भी प्रत्याशी को नोटिस देगा कार्यवाही करेगा बड़ा सवाल है।

कांग्रेस में क्या कार्यकर्ताओं का अभाव है जो बच्चे झंडा उठाकर कर रहे प्रचार ?

जो तस्वीर सोशल मीडिया में डाली गई है जिसमे कांग्रेस का प्रचार बच्चे कर रहे हैं कांग्रेस नेता झंडा उनके हांथ में देकर खुद आगे आगे चल रहे हैं को देखकर यह भी सवाल उठाया जा रहा है की क्या कांग्रेस में कार्यकर्ताओं का अभाव है जिसके कारण स्कूल जाने योग्य बच्चे कांग्रेस के प्रचारक बने हुए हैं यह सवाल सोशल मीडिया पर उठाया जा रहा है। छोटे बच्चों के हाथों में कांग्रेस के झंडे का विरोध सभी करते नजर आ रहे हैं।

युवा वर्ग वैसे ही कर रहा राजनीति के चक्कर में अपना भविष्य बर्बाद,अब छोटे बच्चे क्या राजनीतिक दलों के निशाने पर हैं ?

आजकल युवा वर्ग का रुझान राजनीति की तरफ ज्यादा है,उन्हे यह सफलता का सबसे आसान मार्ग नजर आता है,वह एक राजनीतिक दल की विचारधारा या एक बड़े नेता के साथ जुड़कर अपना भविष्य बनाने के चक्कर में लगे हुए हैं। युवाओं में अधिकांस की उम्मीद धरी रह जाती है वहीं कुछ सफल हो जाते हैं और उन्हे देखकर ही अन्य युवा प्रेरित रहते हैं और लगे रहते हैं राजनीतिक दलों के साथ और अंत में उन्हे समझ तब आती है जब उनकी उम्र गुजर जाती है और सफलता की जगह झंडा ही उनके हांथ में रह जाता है। अब छोटे बच्चों के हाथों में राजनीतिक दलों का झंडा नजर आ रहा है,क्या अब छोटे बच्चों के भविष्य को भी बर्बाद करने की तैयारी है। सवाल उठ रहे हैं और इसका जवाब कौन देगा इसका इंतजार सबको है।

तुम रहो चुनाव में व्यस्त...हम रहे चोरी में मस्त...के तर्ज पर रेत माफिया पुनः सक्रिय

-राजा मुखर्जी-
कोरबा, 10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में रेत की चोरी में लगाम नहीं लग पा रहा । प्रशासन द्वारा रेत चोरी के रोकथाम में की गई कई कोशिशों के बाद भी रेत माफिया हैं सक्रिय । एक तरफ जिले में दूसरे चरण का विधानसभा चुनाव संपन्न होने हैं जिसके लिए पूरा सरकारी तंत्र प्रक्रिया में व्यस्त है । इसी का फायदा उठाते हुए रेत तस्करों ने हसदेव नदी के अलावा अन्य स्रोतों से रेत की तस्करी धड़ल्ले से शुरू कर दी है। खासकर रात के वक्त इनकी सक्रियता ज्यादा देखने को मिल रही है । इनके हौसले इतने बुलंद हो चले है के पिछले दिनों अवैध रेत परिवहन करने वाले वाहनों को रोकने के लिए घाट के एंट्री प्वाइंट पर जो अवरोध लगाए गए थे उसे भी नुकसान पहुंचाने के साथ उखाड़ दिया गया है।

पिछले एक साल से लगातार रेत की चोरी हो रही जिस पर प्रशासन ने कई बार लगाम लगाने की कोशिश भी की पर रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चले है के, जिले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के द्वारा 15 जून से 15 अक्टूबर तक के लिए लगाए गए प्रतिबंध कालखंड में भी रेत की चोरी जिले में धड़ल्ले से जारी रही। मौजूदा स्थिति में फिर से अवैध रूप से रेत का दोहन और परिवहन चल रहा है । इस पूरी प्रक्रिया में सरकार के साथ-साथ माइनिंग विभाग को भारी भरकम नुकसान हो रहा । रेत चोरी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है, यह प्रश्न लगातार बना हुआ हैं, पर इस प्रश्न का उत्तर न जनप्रतिनिधि के पास और न ही प्रशासन के पास है, बस यही कहा जाता है कि सब मिलीभगत से हो रहा है। ये मिलीभगत किसकी है यह भी एक प्रश्न बनकर रह गया है । इस मामले में राजनीतिक दल एक दूसरे को इसके लिए दोषी बताते हैं, लेकिन चोरी का विरोध करने कोई भी राजनीतिक दल खुलकर नहीं आया सामने, जिसका इंतजार जिले की जनता अब तक कर रही है । नतीजा ये है के जिले में शहर से लेकर कस्बाई इलाकों में रेत चोरी का कारोबार खुलेआम चल रहा है। रेत घाट स्वीकृत नहीं किए गए, इसलिए रॉयल्टी का भी कोई मतलब नहीं है। रेत चोरी इस कदर शहर में हावी है की ,किसी भी वक्त ट्रैक्टर व मिनी ट्रक में रेत ले जाते हुए देख सकते हैं। लेकिन यह चोरी उन लोगों को दिखाई नहीं देती, जिनको इस पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन उन्हें जरूर दिखाई दे जाता है जो मोबाइल हाथ में लिए यत्र तत्र घूमते दिखाई देते हैं। सूत्र बताते हैं कि ऐसे लोगों में से किसी को 200 तो किसी को ?500 प्रति माह मिल जाता है, यदि यह राशि मिलने में विलंब होता है तब यह मोबाइल धारक फिर से सक्रिय हो जाते हैं और विवश कर देते हैं रेत चोरों को महीना देने के लिए। बताया तो यह भी जाता है ,उस क्षेत्र में जो पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात होते हैं उन्हें भी इसका निर्धारित लाभ प्राप्त हो जाया करता है जिसके कारण कोई भी अवरोध उत्पन्न नहीं किया जाता और सब कुछ शांतिपूर्वक रेत चोरी के कारोबार को चलाते हुए जिले की जनता के जेबों पर डाका डाला जाता है, जिसका नतीजा यह है के जो रेत 800 में मिलनी चाहिए, उस रेत को खरीदने के लिए ग्राहकों को 2500 से 3000 रुपए प्रति ट्रैक्टर की अदायगी करनी पड़ती है इससे सरकार और प्रशासन को नुकसान उठाना तो पड़ ही रहा, वही बेचारी जनता जो बड़े आस के साथ जनप्रतिनिधि चुनते है, उनके भी विश्वास को ठेस पहुंचाया जाता है । जरूरत है के जनप्रतिनिधियों को रेत चोरी पर अंकुश लगाए और बढ़े हुए दाम को कम करे, जिससे इस महंगाई में जनता के जेबों को कुछ राहत मिल सके, न की एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाकर अपना अपना पल्ला झाड़ते रहे ।

पेड न्यूज मामले में कटघोरा विधानसभा प्रत्याशी को जारी हुआ नोटिस

-राजा मुखर्जी-
कोरबा, 10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पेड़ न्यूज़ को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश के तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत कोरबा जिले में किसी विशेष प्रत्याशी के पक्ष में माहौल तैयार कर उसे आम जनमानस में मीडिया के माध्यम से प्रस्तुत करने और निर्वाचन को प्रभावित करने के मामलों पर संज्ञान लिया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा वेबपोर्टल न्यूज, समाचार पत्रों में प्रकाशित पेड़ न्यूज, भ्रामक समाचार पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं। इस मामले में संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सम्बंधित उम्मीद्वार को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । अन्यथा समाचारों के प्रकाशन को पैड न्यूज के रूप में मान्य करते हुए प्रकाशन पर व्यय की राशि व्यक्तिगत निर्वाचन व्यय में शामिल करने की बात कही गई है। पैड न्यूज के मामले में कटघोरा विधानसभा-22 के प्रत्याशी श्री पुरूषोत्तम कंवर-इंडियन नेशनल कांग्रेस को रिटर्निंग अधिकारी ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में उल्लेख है कि एमसीएमसी द्वारा संदिग्ध पेड न्यूज के रूप में चिन्हांकन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2023 के तारतम्य में जारी निर्देशों की अवहेलना की श्रेणी में है। इस संबंध में अपना जवाब 13 नवंबर 2023 तक कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरबा के कक्ष क्रमांक-37 (प्रथम-तल)में प्रस्तुत करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पैडन्यूज़ को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश के तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत कोरबा जिले में मीडिया अनुप्रमाणन और मीडिया अनुवीक्षण समिति का गठन किया गया है। इसी के साथ ही आचार सहिंता लागू होने के साथ ही जिले में सभी समाचार पत्रों, वेबपोर्टल न्यूज़, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ चैनल, फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम आदि पर पैड न्यूज, भ्रामक समाचार, फेक न्यूज पर हर पल नजर रखने और रिपोर्ट तैयार करने 50 से अधिक सदस्यों की टीम तैनात की गई है।

क्या कांग्रेसी भाजपा के प्रचार के लिए लगे झंडे को उतार कर जीतेंगे चुनाव ?

सोनहत में प्रचार के लिए घरों में लगे बीजेपी के झंडे उतारने का कांग्रेसियों पर लगा आरोप

एक तरफ कांग्रेस के झंडे गांव गांव में नहीं आ रही नजर वहीं भाजपा कार्यकर्ता डोर टू डोर लगा रहे झंडे जो कांग्रेसियों नहीं आ रही पसंद ?

आखिर भाजपा का झंडा उतारने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कौन दे रहा निर्देश ?

क्या कांग्रेस विधायक को अपने हार का हो गया है अहसास ?

ब्लॉक अध्यक्ष के द्वारा झंडे लगाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकी देने का आरोप...क्या गुंडागर्दी करने उतारु हुये ?

-रवि सिंह-
भरतपुर,सोनहत, 10 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर गर्माहट तेज हो गई है. प्रथम चरण का चुनाव भी संपन्न हो गया है. वहीं द्वितीय चरण का मतदान होना बाकी है. जिसके लिए प्रचार प्रसार चल रहा है. बात करे विधानसभा नंबर एक की तो यहां कांग्रेस के विधायक गुलाब कमरों का मुकाबला भाजपा के प्रत्याशी सरगुजा सांसद केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह से है. भरतपुर सोनहत सीट पर मुकाबला कांटे की चल रही है और अभी तक भाजपा बढ़त बनाती दिख रही है वहीं गोगपा भी जोर आजमाइश कर रही है. लेकिन इस विधानसभा सीट के सोनहत ब्लाक से एक मामला सामने आ रहा है जहां भाजपा द्वारा प्रचार प्रसार के लिए लोगों के घरों व क्षेत्र में लगे झंडे लगाए गए उसे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा उतारा जा रहा है यहां आरोप भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगाया जा रहा है, इतना ही नहीं कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष द्वारा झंडे लगाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकी देते हुए गाली गलौज भी किया जा रहा है ऐसा भाजपा का आरोप है। यह खबर भाजपा के कार्यकर्ता के आरोप पर आधारित है दैनिक घटती-घटना इस की पुष्टि नहीं करता।

क्या कांग्रेस विधायक को अपने हार का हो गया है अहसास ?

झंडे उतारने के आरोप लगने पर क्षेत्र में जनता के बीच सवाल है कि क्या कांग्रेस विधायक को अपने हारने का अहसास हो गया है जिससे वे भाजपा के प्रचार प्रसार की सामग्री को गायब करवाने कार्यकर्ताओं को लगा दिए हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकी देने का मामला आया सामने

सोनहत मुख्यालय के भैसवार अमरा क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा झंडे लगाने पर कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष द्वारा धमकी देने का आरोप लग रहा है ब्लाक अध्यक्ष विधायक के करीब व भैसवार संरपच पुत्र है जिनपर ग्राम पंचायत में भष्टाचार राशि गबन व निर्माण कार्यों में भर्राशाही जैसे कई आरोप है, तथा पुरे ग्राम पंचायत में विधायक के नाम पर आतंक मचाने वाले नेता हैं, इनके साल भर पहले वहीं के एक व्यक्ति से मारपीट कर शिर फोड़ दिया गया था जिसका मामला थाने तक पहुंच गया था लेकिन विधायक के संरक्षण में अपने पहुंच का फायदा उठाकर कार्यवाही से बच गए थे। सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में मुख्यमंत्री के भेट मुलाकात कार्यक्रम में आगमन पर एक बुजुर्ग महिला द्वारा ब्लाक अध्यक्ष पर जमीन लूटने की भी सिकायत की गई थी। ब्लाक अध्यक्ष ग्राम पंचायत भैसवार में एकलौते ठेकेदार हैं जिन्होंने पंचायत के अंदर अनेकों भष्टाचार कर रिकॉर्ड बनाया है लेकिन सत्ता संरक्षण में इनपर आंच तक नहीं आ पाई है।

ब्लाक अध्यक्ष गुंडागर्दी करने क्यों हुये उतारु?

प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू है चुनाव प्रचार चल रहा है, सभी पार्टियां अपने अपने स्तर से प्रचार प्रसार की सामाग्री लगा कर प्रचार प्रसार कर रहे हैं लेकिन कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को कौन सा डर सताया हुआ है भाजपा से कि कार्यकर्ताओं को धमकी तथा गाली गलौज करने उतारु हो गये है। ब्लाक अध्यक्ष जीस तरह से भाजपा के झंडे लगाने पर कार्यकर्ताओं को धमका रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं में रोश व्याप्त है। और लोगों में सवाल है कि ब्लाक अध्यक्ष आदर्श आचार संहिता का उलंघन करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से गुंडागर्दी करने उतावले हैं, क्या प्रशासन ऐसी हरकत करने वाले कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पर आचार संहिता का उलंघन करने के आरोप में कार्यवाही करेगी।

क्या भाजपा के झंडे उतारने से कांग्रेस को मिलेगी जीत ?

झंडे उतारने वाले मामले में अब क्षेत्र में लोगों के बीच सवाल है क्या भाजपा के झंडे उतारने से या गायब करने से कांग्रेस चुनाव जीतेगी? क्यों कि भाजपा प्रत्याशी को बाहरी बता कर चुनाव जीतने की मस्कत करने वाले कांग्रेसी अब ऐसे पैंतरे आजमा रहे हैं जो लोगों को आश्चर्य चकित कर रहा है। और आदर्श आचार संहिता का उलंघन भी है।

एक तरफ कांग्रेस के झंडे गांव-गांव में नहीं आ रहे नजर वहीं भाजपा कार्यकर्ता डोर टू डोर लगा रहे झंडे

आपको बता दें कि विधानसभा क्षेत्र में गांव गांव में भाजपा व युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने डोर टू डोर झंडा व बैनर पोस्टर लगाने मोर्चा थामा हुआ है, जिससे चारों ओर भाजपा के प्रचार प्रसार की सामग्री दिखाई दे रही है तो वहीं कांग्रेस का झंडा व पोस्टर नजर नहीं आ रहा है जानकारी के मुताबिक कांग्रेस को झंडा लगाने के लिए कोई मिल ही नहीं रहा है मुख्यालय में कुछ बच्चों से झंडा लगवाने की बात भी सामने आई है। कुलमिलाकर कांग्रेस झंडा पोस्टर लगाने के मामले में भाजपा से पिछे दिख रही है। भाजपा का झंडा उतारने मामले में क्षेत्र में लोगों व भाजपाईयों में सवाल है कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को ऐसी हरकत करने के लिए कौन निर्देश दे रहा है यहां कौन आदेशित कर रहा है।

विश्व कप में उग्र ऑस्ट्रेलिया का सामना कमजोर बांग्लादेश से

पुणे,10 नवम्बर 2023। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम आज यहां विश्व कप के नॉकआउट चरण से पहले अपने अंतिम मुकाबले में शाकिब अल हसन के बिना बांग्लादेश से भिड़ने पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना चाहेगी।
पांच बार की चैंपियन अजेय रही है और पिछली छह मुकाबलों में अपने रास्ते में आने वाली किसी भी टीम को धराशायी कर दिया है, जबकि बांग्लादेश को मौजूदा शोपीस से बाहर होने वाली पहली टीम होने का अपमान झेलना पड़ा है।
ग्लेन मैक्सवेल द्वारा खेली गई सबसे महान वनडे पारियों में से एक के दम पर पैट कमिंस एंड कंपनी सेमीफाइनल में पहुंच गई। हरफनमौला खिलाड़ी ने ऐंठन से जूझते हुए 128 गेंदों में नाबाद 201 रन की पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट पर 91 रन की नाजुक स्थिति से उबारकर अफगानिस्तान के खिलाफ 292 रन का विजय लक्ष्य हासिल किया।
दूसरी ओर, बांग्लादेश एक खराब खेल में श्रीलंका पर तीन विकेट की जीत के साथ अपनी 2025 चैंपियंस ट्रॉफी क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखने में कामयाब रहा, जो कि एंजेलो मैथ्यूज के विवादास्पद 'टाइम-आउट' आउट के कारण फीका पड़ गया था।
मेजबान पाकिस्तान सहित शीर्ष आठ टीमें 2025 के आयोजन के लिए जगह बनाएंगी और आठवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश स्टैंडिंग में शीर्ष 8 में अपना स्थान बनाए रखने के लिए जीत हासिल करने के लिए बेताब होगा।
कप्तान शाकिब ने अपने आखिरी मैच में शीर्ष प्रदर्शन किया था क्योंकि उन्होंने दो विकेट लिए थे, मैथ्यूज के खिलाफ अपील करके क्रिकेट बहस की भावना को प्रज्वलित किया था और फिर 65 गेंदों में 82 रन बनाकर टूर्नामेंट में बांग्लादेश की दूसरी जीत हासिल की थी।
हालाँकि, बाईं तर्जनी में फ्रैक्चर के कारण वह अपने आखिरी गेम से बाहर हो गए हैं, जिससे बांग्लादेश की गेंदबाजी कमजोर हो गई है। अनामुल हक को फाइनल मुकाबले के लिए बुलाया गया है.
नजमुल हुसैन शान्तो कप्तानी संभालेंगे और उनके लिए ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए बांग्लादेश को प्रेरित करना एक बड़ा काम होगा, जो अपनी बल्लेबाजी ताकत के दम पर आगे बढ़ रहे हैं।
यदि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर आठ पारियों में 446 रन के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले

खिलाड़ी रहे हैं, तो नंबर 6 बल्लेबाज मैक्सवेल ने 397 रन बनाए हैं, जिसमें विश्व कप में सबसे तेज एकदिवसीय शतक और एक दोहरा शतक शामिल है।
सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने अपनी वापसी पर शतक लगाया, जबकि मिशेल मार्श के नाम एक अर्धशतक और शतक है, लेकिन उनका मध्य क्रम कुछ समय में ढह गया है। इसका एक उदाहरण अफगानिस्तान के खिलाफ उनका पतन है। बांग्लादेश के गेंदबाजों को शनिवार को आमने-सामने होने पर इसका फायदा उठाना होगा।
शोरफुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज को गेंदबाजी की जिम्मेदारी निभानी होगी। युवा तंज़ीम हसन साकिब ने श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप की शुरुआत में तीन विकेट लिए थे लेकिन अपने 10 ओवर के कोटे में 80 रन दिए थे।
बल्लेबाजों में लिटन दास और शान्तो पर अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी, जबकि महमूदुल्लाह और मुश्फिकुर रहीम को निचले क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।
शान्तो ने अपने आखिरी मैच में 101 में से 90 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की और उन्हें उम्मीद है कि वह वह धुरी बनेंगे जिसके इर्द-गिर्द टीम की बल्लेबाजी घूमती है।
यह आसान नहीं होगा क्योंकि उन्हें पहले मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड की पेस जोड़ी से बातचीत करनी होगी, जबकि बीच के ओवरों में एडम ज़म्पा की स्पिन के खिलाफ वे कैसा प्रदर्शन करते हैं यह महत्वपूर्ण होगा।
तीन चार विकेटों सहित 20 विकेटों के साथ, ज़म्पा ने अक्सर विपक्षी बल्लेबाजी इकाई की जान ले ली है और वह सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है।
ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश के खिलाफ 21 एकदिवसीय मैचों में 19-1 का दबदबा वाला रिकॉर्ड है और सेमीफाइनल पहले से ही सुनिश्चित होने के कारण, कमिंस एंड कंपनी अपनी सातवीं जीत हासिल करने और नॉकआउट चरण में गति बनाए रखने के लिए प्रबल दावेदार है।

दस्ते:
बांग्लादेश: लिटन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), तौहीद हृदयोय, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद। शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, अनामुल हक।
ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जोश इंगलिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर। एडम ज़म्पा, मिचेल स्टार्क। मैच सुबह 10:30 बजे शुरू होगा.

भारत-न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल लगभग तय

टीम इंडिया के लिए आसान नहीं रहने वाली चुनौती

मुंबई,10 नवम्बर 2023। विश्व कप 2023 लीग चरण के आखिरी मुकाबले ही कुछ बचे हैं। हालांकि, सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। चौथे पायदान के लिए अभी भी लड़ाई जारी है। हालांकि, वहां न्यूजीलैंड का दबदबा दिखाई देता है। लेकिन, न्यूजीलैंड को क्वालीफाई का टिकट तब दिया जाएगा जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मुकाबले हो जाएंगे। न्यूजीलैंड के अलावा चौथे पोजीशन और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफिकेशन के दौर में पाकिस्तान भी है। हालांकि, उसे अगर चौथे पोजीशन पर पहुंचना है और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना है तो इसके लिए पाकिस्तान को अपने आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड को 287 रनों से हराना होगा या मुकाबले को पांच ओवर के भीतर जितना होगा जोकि मुश्किल लग रहा है।
ऐसे में न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना पक्का माना जा रहा है। न्यूजीलैंड से फाइनल में पहुंचती हैं तो वह चौथे पायदान पर रहेगी और उसका सामना पहले पायदान पर मौजूद भारत से होगा। 2019 की तरह भारत एक बार फिर से न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में

खेलेगा। यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि, भारत के लिए यह मुकाबला इतना आसान नहीं रहने वाला है। नॉकआउट मुकाबलें में हमेशा न्यूजीलैंड की टीम ने टीम इंडिया को परेशान किया है। 2019 का विश्व कप का सेमीफाइनल देखें या फिर 2021 में टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला। इससे पहले लीग चरण के लिए भारत और न्यूजीलैंड का मुकाबला धर्मशाला में खेला गया था जहां भारत ने उसे हराया था। हालांकि भारत को यह न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व कप में 2003 के बाद मिली थी।
यही कारण है की टीम इंडिया के लिए न्यूजीलैंड एक बड़ी चुनौती हो सकती है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि न्यूजीलैंड के पास अच्छे बल्लेबाज तो है ही, उसकी गेंदबाजी भी दमदार है। टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन ने टीम को मजबूती दी है। वही बैटिंग भी नंबर एक से नंबर 10 तक जाती है यानी कि रचिन रविंद्र से लेकर टिम साउदी तक न्यूजीलैंड के लिए बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे में वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा और उनकी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की बैटिंग ऑर्डर और इन्फॉर्म बल्लेबाजों को देखते हुए भारत को रणनीतिक तौर पर अपनी तैयारी को मजबूत करना पड़ेगा। भारत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन उसके लिए न्यूजीलैंड अब एक बड़ी चुनौती रहने वाली है।

भूटिया ने एआईएफएफ के नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की

कहा प्रभाकरण को बलि का बकरा बनाया गया

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज और पिछले साल अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष पद के चुनाव में बुरी तरह हारने वाले बाइचुंग भूटिया ने बुधवार को मौजूदा अध्यक्ष कल्याण चौबे की कड़ी आलोचना करते हुए नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने यह मांग एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरण को 'भरोसे की कमी ' के कारण बर्खास्त किए जाने के बाद उठाई है। उन्होंने कहा कि चौबे की अगुवाई वाली संस्था ने प्रभाकरण को बलि का बकरा बनाया है।
भूटिया ने गंगटोक से पीटीआई से कहा, ''भरोसा तोड़ने का आरोप अकेले शाजी पर नहीं बल्कि एआईएफएफ का नेतृत्व करने वाले अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष समेत सभी सदस्यों पर लगाया जाना चाहिए।''
उन्होंने कहा,''हर कोई यह जानना चाहता है कि यह भरोसा कहां तोड़ा गया और किस तरह से इसका उल्लंघन किया गया। अध्यक्ष और सचिव ने हर बार मिलकर प्रमुख फैसले किए हैं, जिनमें एशियाई खेलों में भाग लेना और एशिया कप की मेजबानी के लिए बोली लगाने से हटना भी शामिल है।'' भूटिया ने कहा,'' लेकिन यहां शाजी को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। (पूरी) टीम, अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार हैं। सभी को हटाया जाना चाहिए और नए संविधान के तहत चुनाव कराए जाने चाहिए।''
उन्होंने कहा,''मैं शाजी को बर्खास्त किए जाने से हैरान नहीं हूं। जब से नए प्रबंधन ने जिम्मेदारी संभाली है, तब से भारी कुप्रबंधन व्याप्त है।'' भारत के पूर्व गोलकीपर और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य चौबे ने पिछले साल दो सितंबर को हुए चुनाव में 34 मतों में से 33 मत हासिल करके भूटिया को करारी शिकस्त देकर अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला था। वह पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस संस्था का शीर्ष पद हासिल किया।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल वार्म-अप टूर्नामेंट से

टेनिस में वापसी करेंगी नाओमी ओसाका

ब्रिस्बेन,10 नवम्बर 2023। चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ब्रिस्बेन इंटरनेशनल वार्म-अप टूर्नामेंट से टेनिस में वापसी करेंगी। ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ओसाका के 31 दिसंबर-जनवरी में प्रतिस्पर्धा करेगी। वह 2024 सत्र की शुरूआत में सात स्पर्धा में भाग लेंगी। दो बार की ऑस्ट्रेलियन और यू.एस. ओपन विजेता ओसाका ने पिछले साल के गर्भवती होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से आश्चर्यजनक रूप से नाम वापस ले लिया था।पूर्व टेनिस नंबर खिलाड़ी ने एक जुलाई में बेटी शाई के जन्म दिया था। ओसाका ने एक बयान में कहा, ''मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सत्र शुरू करना पसंद है और मैं वापसी का इंतजार नहीं कर सकती। यह मुझे इस गर्मी में शानदार वापसी के लिए तैयार करेगा।''ओसाका ने यूएस ओपन के पहले दौर में हारने के तुरंत बाद सितंबर 2022 में टोक्यो में एक कार्यक्रम के बाद से उसने दौरे पर प्रतिस्पर्धा नहीं की है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के अधिकारियों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि ओसाका 14 जनवरी से शुरू होने वाले साल के पहले बड़े टूर्नामेंट के लिए मैदान में होगी।

आईपीएल के लिए होगी ऋषभ पंत की वापसी

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2023। वर्ष 2022 के अंत में गंभीर एक्सीडेंट का शिकार हुए भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। क्रिकेटर ऋषभ पंत के फैंस के लिए ये खबर राहत लेकर आई है। ऋषभ पंत एक्सीडेंट के बाद अब अच्छे से रिकवर हो चुके है। कई बार वो जिम में तो कभी स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान नजर आ चुके है।
ऋषभ पंत की रिकवरी काफी अच्छी हो रही है। इसी बीच दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली ने ऋषभ पंत को लेकर खास अपडेट भी दिया है। इसके अनुसार सौरव गांगुली ने कहा कि आईपीएल 2024 में ऋषभ पंत के हाथों में ही दिल्ली कैपिटल्स की कमान होगी। सौरव गांगुली के बयान से पहले तक ऋषभ पंत के खेलने को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। सौरव गांगुली ने इस संबंध में ट्वीट कर दिया है, जिसके बाद ऋषभ पंत के खेलने को लेकर जानकारी सार्वजनिक हो गई है।
भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने अपना अंतिम वनडे मुकाबला दिसंबर 2022 में खेला था, जो कि बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। इस मुकाबले के बाद ही ऋषभ पंत गंभीर रूप से एक्सिडेंट का शिकार हो गए थे। इसके बाद लंबे अर्से तक अस्पताल में उनका इलाज चला था। इलाज होने के बाद वो बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब कर रहे है। लगातार वो नेशनल क्रिकेट अकादमी में रहकर अपनी सेहत पर सुधार करने में जुटे हुए है। रिहैब को लेकर वो लगातार मेहनत में जुटे हुए है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मेडिकल स्टाफ के अनुसार पंत जल्दी ही ठीक होकर वापस लौटेंगे। वहीं बीसीसीआई की बात करें तो वो ऋषभ पंत की वापसी को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखा रही है। बीसीसीआई का फोकस है कि ऋषभ पंत की वापसी पूरी तरह से उनके ठीक होने के बाद की जाए और इसमें जल्दबाजी ना दिखाई जाए। ये भी जानकारी है कि ऋषभ पंत कुछ समय में घरेलू मैचों में खेलते दिखेंगे। इससे पहले ऋषभ पंत आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि खुद सौरव गांगुली कर चुके है।

ऋषभ पंत का हुआ था भयानक एक्सीडेंट

दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस दौरान उनके पैर और कोहनी में भी चोट आई थी। इस बारे में बीसीसीआई ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए जानकारी साझा की थी। इसी के बाद से पंत क्रिकेट से दूरी बनाए हुए हैं।

बिली जीन किंग कप फाइनल में इटली

कनाडा ने सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई

सेविले,10 नवम्बर 2023।चार बार की चैंपियन इटली ने मास्टरक्लास प्रदर्शन के साथ लगातार दो सेटों में जीत के साथ बिली जीन किंग कप फाइनल के सेमीफाइनल में जगह बना ली।
दो बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ इटालियंस के मैच में वर्ल्ड नंबर 43 मार्टिना ट्रेविसन ने ईवा लिस को 7-6(6), 6-1 से हराया और वर्ल्ड नंबर 30 पाओलिनी ने अन्ना-लेना फ्राइडसम को 6-3, 6-2 से हराया। एकल जीत ने इटली को 2-0 की शानदार बढ़त दिला दी। राउंड-रॉबिन खेल 2-0 से समाप्त

करने के बाद इटली ने ग्रुप डी जीता। इटली ने बुधवार को ही तीन बार की चैंपियन फ्रांस को 2-1 से हरा दिया था.
इटली 2014 के बाद पहली बार बिली जीन किंग कप फाइनल के अंतिम चार में पहुंचा। इटली का सबसे हालिया खिताब एक दशक पहले 2013 में आया था।
कनाडा ने पोलैंड को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और गुरुवार को ग्रुप सी जीता। यह बिली जीन किंग कप फ़ाइनल सेमीफ़ाइनल में कनाडा की दूसरी यात्रा है, इससे पहले वह 1988 में उस चरण तक पहुंचा था।
मैच 18 साल की मरीना स्टाकुसिक के ब्रेकआउट सप्ताह को जारी रखने के साथ शुरू हुआ। कनाडाई युवा खिलाड़ी ने 63वीं रैंकिंग वाली मैग्डेलेना फ्रेच को 4-6, 7-5, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट की अपनी दूसरी शीर्ष 100 जीत हासिल की।

अलेक्जेंडर शेवचेंको ने मोसेले ओपन सेमीफाइनल में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की

मेट्ज़े,10 नवम्बर 2023। अलेक्जेंडर शेवचेंको ने मोसेले ओपन में कारेन खाचानोव को हराकर एटीपी टूर सेमीफाइनल में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मेट्ज के इनडोर एटीपी 250 में तीसरी वरीयता प्राप्त खाचानोव को 6-4, 6-4 से हराया, जो पेपरस्टोन एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 20 में एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी दूसरी जीत थी। शेवचेंको ने 73

मिनट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी खाचानोव को परेशान करने के लिए अपने सामने आए सभी तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए।
इस सप्ताह मेट्ज में माथियास बौर्ग्यू, मेट वाल्कुज और खाचानोव को हराने के बाद, शेवचेंको पेपरस्टोन एटीपी लाइव रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़ कर 60वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जिससे वह अगले सोमवार को अपने करियर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने एटीपी टूर पर ब्रेकआउट सीजन का आनंद लिया है, जिसमें 15 टूर-स्तरीय जीत दर्ज की हैं ।

तारा सुतारिया का खुलासा एक्शन सीन करते समय नहीं किया बॉडी डबल का इस्तेमाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अब बड़े पर्दे के बाद जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाली हैं। एक्ट्रेस सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म %अपूर्वा% में दिखाई देने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बनर्जी, धैर्य करवा और राजपाल यादव भी मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस दमदार किरदार निभाते हुए नजर आएंगी।
अपूर्वा% निखिल नागेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म है। कुछ समय पहले एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म की शूटिंग के किस्से को शेयर किया था। अब एक बार फिर एक्ट्रेस ने फिल्म से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से शेयर किए हैं। एक बार फिर एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने फिल्म से जुड़े कई किस्से शेयर किए हैं। तारा ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार के लिए चौबीसों घंटे मेहनत की है और सभी स्टंट खुद किए हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने याद किया कि %जैसलमेर में शूटिंग के दौरान मैं नंगे पैर थी। मैं ट्रेनों से कूद रही थी, गर्म रेत पर चल रही थी। मैं अपने सभी स्टंट बिना बॉडी डबल के खुद कर रही थी। साथ ही बीच-बीच में मैं रुक-रुक कर झपकी लेती रहती थी, क्योंकि हम दिन-रात शूटिंग कर रहे थे%।
इसके आगे तारा सुतारिया ने बताया कि बहुत सारी हीरो सेंट्रिक फिल्में हैं, लेकिन वुमन ओरिएंटेड फिल्में बहुत कम हैं। मुझे खुशी है कि इस फिल्म के लिए मुझे चुना गया। महिलाओं में एक जन्मजात शक्ति होती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सामने आती है। किसी भी महिला को इससे नहीं गुजरना चाहिए, लेकिन एक एक्ट्रेस के रूप में यह भूमिका एक विशेषाधिकार है%।
इससे पहले एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि वह शूटिंग के दौरान एक हफ्ते से ज्यादा समय तक नहा नहीं पाई। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने अपने बाल तक नहीं बनाए थे। बता दें कि अपूर्वा 15 नवंबर से केवल डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

आग के ऊपर से कूदे तो कभी कांटों के नीचे से निकले,सैम बहादुर बनने के लिए विक्की ने किये इतने जतन

विक्की कौशल बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार हैं। उनके अभिनय में जितनी सच्चाई है, उतनी ही ईमानदारी के साथ वह हर एक सीन को रियल बनाने के लिए उस पर मेहनत करते हैं।
बॉक्स ऑफिस पर कमर्शियली विक्की कौशल भले ही बहुत बड़े स्टार अब तक न बने हों, लेकिन उनकी एक्टिंग की सराहना करते हुए दर्शक नहीं थकते हैं। उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, सरदार उधम सिंह के बाद अब वह जल्द ही फिल्मी पर्दे पर फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का किरदार अदा करते हुए नजर आएंगे।
सैम बहादुर% के ट्रेलर के लिए विक्की कौशल कुछ दिनों पहले दिल्ली पहुंचे थे। अब हाल ही में विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर खतरनाक स्टंट करते हुए कई वीडियोज शेयर किये हैं।
विक्की कौशल ने फील्ड मार्शल सैम बहादुर के किरदार में खुद को किस तरह ढाला इसका अंदाजा हम ट्रेलर से ही लगा सकते हैं। अब हाल ही में विक्की कौशल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई वीडियोज और फोटोज शेयर की है, जिसमें पहली वीडियो में विक्की कौशल आग के ऊपर से जोरदार छलांग लगाते हुए नजर आ रहे हैं।
तो वहीं दूसरे वीडियो में वह अपने रोल में बखूबी ढलने के लिए आर्मी ऑफिसर्स के साथ कांटों के बिछे जाल में से कैसे निकलना है, इसकी ट्रेनिंग लेते हुए दिखाई दिए। एक अन्य फोटो में विक्की कौशल बड़े ही ध्यान से ऑफिसर को ऑब्जर्व कर रहे हैं, जो कैसे बॉर्डर पर पोजीशन लेते हैं, वह दिखा रहे हैं। एक अन्य फोटो में विक्की आर्मी ऑफिसर्स के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये सभी फोटोज काफी प्यारी हैं।
विक्की कौशल ने इस वीडियो को शेयर करने के साथ ही कैप्शन में लिखा, ÷मैं ये कहना चाहूंगा कि दिल्ली में %सैम बहादुर% के ट्रेलर लॉन्च के लिए मेरे ट्रिप के दौरान छह सिख रेजिमेंट द्वारा भरपूर उत्साह के साथ मेरा स्वागत किया गया। साल 2018 में, उरी की शूटिंग शुरू करने से पहले मुझे 7 सिख रेजिमेंट द्वारा ट्रेन किया गया था। उनकी ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग, ड्रिल्स की यादें सब ताजा हो गई। असली हीरोज से मिली प्रशंसा हमेशा अच्छा महसूस करवाती है÷। आपको बता दें कि फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है। दूसरी बार मेघना और विक्की की साझेदारी हुई है। इससे पहले दोनों %राजी% में साथ काम कर चुके हैं।

चुनावी रण में उबाल पर हैं सियासी माहौल

सियासत ऐसी कि,पूर्व मंत्री और भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस पर हमला करने का आरोप लगाया

» सीएम बघेल ने बृजमोहन पर किया पलटवार

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के चुनावी रण में सियासी माहौल उबाल पर है. सियासत ऐसी कि, पूर्व मंत्री और भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस पर हमला करने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि, ये हमला प्रचार करने के दौरान किया गया. जिसके बाद उन्होंने कांग्रेसियों को गुंडा तक कह दिया. अब इसी बयान पर सीएम बघेल का पलटवार सामने आया हैं।
भूपेश बघेल ने बृजमोहन अग्रवाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, बृजमोहन अग्रवाल पर हमला कौन कर सकता है?उनको कौन धमकी देगा. बृजमोहन जी ने मोदीजी को टेबल के नीचे छुपने पर मजबूर कर दिया था. वहीं हमले के बाद बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेसियों को गुंडे तक कह दिया. जिस पर सीएम बघेल ने कहा, उनके सामने किसी को गुंडा कहना, गुंडा शब्द का अपमान है. जनता सब समझती है, अब ऐसी राजनीति नहीं चलेगी।

बृजमोहन के सामने किसी को गुंडा कहना,गुंडा शब्द का अपमान हैःसीएम भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ के चुनावी रण में सियासी माहौल उबाल पर है। सियासत ऐसी कि, पूर्व मंत्री और भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस पर हमला करने का आरोप लगाया है। बृजमोहन अग्रवाल कहना है कि, ये हमला प्रचार करने के दौरान किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जिसके बाद उन्होंने कांग्रेसियों को गुंडा तक कह दिया। अब इसी बयान पर सीएम बघेल का पलटवार सामने आया है।
भूपेश बघेल ने बृजमोहन अग्रवाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, बृजमोहन अग्रवाल पर हमला कौन कर सकता है? उनको कौन धमकी देगा। बृजमोहन जी ने मोदीजी को टेबल के नीचे छुपने पर मजबूर कर दिया था। वहीं हमले के बाद बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेसियों को गुंडे तक कह दिया। जिस पर सीएम बघेल ने कहा, उनके सामने किसी को गुंडा कहना, गुंडा शब्द का अपमान है। जनता सब समझती है, अब ऐसी राजनीति नहीं चलेगी।

छत्तीसगढ़ में अब और नहीं चलेगा गुंडाराजःरमन सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। डॉ रमन सिंह ने बृजमोहन पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए ट्वीट कर कहा कि बस अब बहुत हो चुका अन्याय छत्तीसगढ़ को गुंडो के हाथ में और नहीं छोड़ सकते। जब चुनाव के मैदान में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने की ताकत नहीं बची तो गुंडे मावलियों के दम पर हमारे सम्माननीय विधायक को मारोगे? याद रखना बृजमोहन अग्रवाल जी के साथ हम सभी खड़े हैं , यह जो कायरता दिखाई है उसकी कीमत हर अपराधी को चुकानी पड़ेगी। कल रायपुर दक्षिण विधानसभा में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बीजेपी प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल पर हमला हो गया। जानकारी के अनुसार, बृजमोहन अग्रवाल चुनाव प्रचार के लिए बैजनाथ पारा पहुंचे हुए थे। इसी दौरान उनके साथ कुछ लोगों ने हमला कर दिया।

बीजेपी सांसद तिवारी कांग्रेस को सट्टेबाज और हमास समर्थक कहा

» मीडिया से बोले मनोज तिवारी छत्तीसगढ़ की जनता को तय करना है, उन्हें सट्टे वाली सरकार चाहिए या फिर विकास वाली सरकार

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। रायपुर पहुँचते ही कांग्रेस पर बरसे तिवारी, बोले सट्टेबाज और हमास समर्थक है। सांसद और भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार मनोज तिवारी का कहना है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आकर सट्टा का खेल खेल रही है। ये सट्टा भी खेल रहे हैं, सनातन धर्म को नष्ट करने की योजना भी बना रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता को तय करना है- उन्हें सट्टे वाली सरकार चाहिए या फिर विकास वाली। हम धर्म और किसानों को लेकर राजनीति नहीं करते। प्रदेश की जनता को अपनी गलती का एहसास होता है और छत्तीसगढ़ की जनता इसका एहसास कर रही है, अब वो इसे ठीक कर देगी।

उन्होंने कांग्रेस पर बड़ा बयान दिया, कहा- यही लोग हमास जैसे आतंकी संगठन का समर्थन भी कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार ने भगवान राम को 500 साल का वनवास दिया है, राम को काल्पनिक कहा, आज जब राम जी का मंदिर बन रहा है तो कह रहे हैं हमको बुला नहीं रहे हैं। सांसद बोले, हम धर्म और किसानों को लेकर राजनीति नहीं करते। प्रदेश की जनता को अपनी गलती का एहसास होने लगा है। छत्तीसगढ़ की जनता इसका एहसास कर रही है, अब वो इसे ठीक कर देगी। श्री तिवारी ने कहा कि, अगर गरीब किसानों के एकाउंट में 6000 रुपये डालना राजनीति है तो बहुत अच्छी है।

आचार संहिता के उल्लंघन पर बीजेपी अध्यक्ष साव को आयोग ने दिया नोटिस

» स्पष्टीकरण चौबीस घंटे के भीतर प्रस्तुत करने की निर्देश दिए

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष को आचार संहिता के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी की गई है। नोटिस में 9 नवम्बर 2023 को विभिन्न स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित महतारी वंदन योजना के विज्ञापन को आचार संहिता का निर्देशों का उल्लंघन मानते हुए अपना स्पष्टीकरण चौबीस घंटे के भीतर प्रस्तुत करने की निर्देश दिए गए हैं।
नोटिस में उल्लेख है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 में आचार संहिता 9 अक्टूबर से प्रभावशील है, जिसमें राजनीतिक दलों से आचार संहिता के निर्देशों का पालन किया जाना अपेक्षित है। 9 नवम्बर को विभिन्न स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में भाजपा के द्वारा महतारी वंदन योजना का विज्ञापन प्रकाशित करते हुए महतारी वंदन योजना में पंजीयन हेतु एक प्रारूप आवेदन का प्रकाशन भी किया गया है।
जिसमें हर विवाहिता महिला को प्रतिमाह एक हजार रूपए प्राप्त होने का उल्लेख भी किया गया है। साथ ही घर-घर पंजीयन करने हेतु फार्म उपलब्ध कराया जाकर क्यूआरकोड दिया गया है, जिससे यह प्रतीत होता है कि यह राशि तत्काल मतदाताओं को हस्तांतरित किया जाना संभावित है।
लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत इस तरह के प्रलोभन प्रतिबंधित है। अतः उपरोक्त राजनीतिक विज्ञापन एवं आवेदन प्रारूप के संबंध में अपना स्पष्टीकरण चौबीस घंटे के भीतर इस कार्यालय को प्रस्तुत करें। समयावधि में में जवाब प्राप्त नहीं होने पर यह समझा जाएगा कि इस विषय पर आपको अपना पक्ष नहीं प्रस्तुत करना है।

हार की बौखलाहट से कांग्रेस पर ठीकरा फोड़ना चाह रहे हैंः दीपक बैज

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के दक्षिण विधानसभा से बृजमोहन अग्रवाल के इस बयान पर 'ढेबर के लोग मेरी हत्या करवाना चाहते थे' मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर दक्षिण से हार दिख रहा है। ये हार की बौखलाहट है, वे चाहते हैं कि कांग्रेस गलती करे, इसलिए उन्हें सुनना पड़ रहा है। वे हार की बौखलाहट से कांग्रेस पर ठीकरा फोड़ना चाह रहे हैं।
वहीं पीएम मोदी के दौरे पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि जब से चुनाव की शुरुआत हुई तब से प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ झांक कर

नहीं देखें पीएम, वे सत्ता हासिल करने के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लोगों को डराने का काम केंद्र के नेता कर रहे हैं।
वहीं साजा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेताओं ने डेरा डाला हुआ है इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि रवींद्र चौबे बड़े नेता हैं, बीजेपी वहां हिंदुत्व का कार्ड खेलना चाह रही है, घटना को वे चुनाव में भुनाना चाह रहे हैं, लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव होना चाहिए। भाजपा नेता वहां लगातार डेरा डाले हुए हैं लेकिन वहां कांग्रेस मजबूत है। भाजपा सहानुभूति के दम पर चुनाव जीतने का प्रयास कर रही, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल से ईडी ने की पूछताछ

रायपुर,10 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में ईडी ने आज रायपुर के एसएसपी प्रशांत अग्रवाल को सुबह ईडी आफिस बुलाया था। वहीं प्रशांत से ईडी आफिस में पूछताछ हुई। मिली जानकारी के अनुसार महादेव ऐप के कथित मालिक शुभम सोनी ने एक वीडियो जारी कर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल समेत कई लोगों का नाम लिया था। इनमें से मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि वीडियो जारी कर उनकी छबि को नुकसान करने वाले तीन भाजपा नेताओं के खिलाफ उन्होंने मानहानि का नोटिस भेजा है।

शुभम सोनी ने नाटकीय तरीके से अपना एक वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया है कि, उसने राज्य के मुख्यमंत्री को 508 करोड़ रुपये दिए हैं।

क्या चाचा-भतीजे की लड़ाई में खेल बिगाड़ेगा जोगी

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। पाटन विधानसभा क्षेत्र के चुनावी महा संग्राम में चाचा-भतीजे एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस सीट पर अभी चुनाव होना बाकी है लिकन अटकलों का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश की सबसे हॉट सीट की चर्चा हर जगह है पर स्थानीय जनता असमंजस में है कि कका को चुनें या भतीजे को? असमंजस यह कि कका जीते तो सरकार बनने पर मुख्यमंत्री बनेंगे पर भतीजे का क्या? वहीं, अमित जोगी के यहां से मैदान में उतरने की चर्चा तो खूब है पर उनकी पार्टी की सरकार बनाने की लड़ाई में असरदार भूमिका न होने से जनता में विशेष दिलचस्पी नहीं। पाटन सीट से सीएम भूपेश बघेल के सामने भाजपा के टिकट पर दुर्ग के सांसद विजय बघेल हैं। विजय रिश्ते में भूपेश के भतीजे हैं। दो दिन पहले पत्रकारों ने भूपेश से जब यह पूछा कि कका-भतीजे में भारी कौन? इस पर उनका जवाब था, रिश्ते में तो हम बाप लगते हैं.यह जवाब इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। दोनों यहां से चौथी बार आमने-सामने हैं। इससे पहले हुए तीन मुकाबलों में से दो भूपेश और एक विजय जीत चुके हैं। भूपेश पहली बार वर्ष 1993 में इसी सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद से लगातार यहीं से चुनाव लड़ते आ रहे हैं। इस बार वह यहां से सातवीं बार मैदान में हैं।

घोषणाओं पर अमल नहीं भतीजा दे रहा टक्कर

चौक-चौराहों पर यह भी चर्चा हो रही है कि भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल अपने कका को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उनके अनुसार, सीएम की ओर से की गई तमाम घोषणाओं पर अमल न होने से यह स्थिति बनी है। वहीं अमित जोगी को लेकर लोगों का कहना है कि क्षेत्र में वह न कभी सक्रिय रहे और न ही उनकी पार्टी का कोई एजेंडा है। ऐसे में वह अधिक से अधिक सतनामी समाज के वोट ही अपने पाले में ला सकेंगे। क्षेत्र में सतनामी समाज का अधिकतर वोट कांग्रेस के पाले में रहता है। अमित यदि एकतरफा वोट बटोर ले गए तो किसका खेल बिगड़ेगा, इसका अंदाजा नहीं लगा सकते।

भाजपा की सरकार बनने पर ओपी चौधरी को दी जाएगी बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण के मतदान के बाद अब दूसरे चरण के लिए तैयारियों के बीच भाजपा का चुनाव प्रचार चरम पर है । इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी लगातार छत्तीसगढ़ दौरा जारी है। प्रदेश में बड़ा परिवर्तन के बाद भाजपा की सरकार बनने का दावा कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने अधिकारी से नेता बने पूर्व कलेक्टर ओपी चौधरी की राजनीतिक भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। रायगढ़ में हुई अमित शाह की सभा में उन्होने बीजेपी प्रत्याशी ओपी चौधरी के लिए वोट मांगा और कहा कि आप ओपी चौधरी को वोट दीजिए मैं ओपी चौधरी को बड़ा आदमी बनाऊँगा.. अब इस बयान के लोग कई मायने निकाल रहे हैं। वहीं, अमित शाह के इस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का भी बड़ा बयान सामने आया है।
पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा, कि अगर अमित शाह ने कहा तो जरूर उन्हे आने वाले दिनों में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी।
राजधानी के भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल पर हमले को लेकर रमन सिंह ने कहा कि राजधानी की ये हालत है कि विधानसभा के प्रत्याशी और सबसे सीनियर विधायक बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफ पर आक्रमण हो सकता है। ये इस बात को साबित करता है कि कानून व्यवस्था की स्थिति कितनी चौपट हो गई है।

आईएफएस अधिकारी राजेश उईके ताजिकिस्तान के राजदूत नियुक्त

केशकाल,10 नवम्बर 2023 (ए)। नक्सल क्षेत्र के लिए जाना जाने वाला बस्तर संभाग अब अपनी अहम उपलब्धियों के लिए भी जाना जाता है। इसी क्रम में आज जो जानकारी आ रही है वह काफी सुखद अनुभव देने वाल है। दरअसल, 2006 बैच के आईएफएस अधिकारी राजेश उईके ताजिकिस्तान के राजदूत बनाए गए है। राजेश उईके केशकाल के रहने वाले हैं। इस खबर के बाद उनके शुभचिंतकों ने उन्हे बधाई दे रहे

हैं।विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा, वर्तमान में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव आईएफएस राजेश उइके को ताजिकिस्तान गणराज्य में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले यह पद 1997 बैच के आईएफएस अधिकारी विराज सिंह के पास था, जिन्हें 2019 में ताजिकिस्तान में भारतीय राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। भारत और ताजिकिस्तान के बीच संबंध पारंपरिक रूप से करीबी और सौहार्दपूर्ण रहे हैं।

10 वीं-12 वीं के प्रश्नपत्र जिला स्तर पर होंगे तैयार,व्हॉट्सऐप-ईमेल से भेजे जाएंगे पर्चे

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। जिले के शासकीय स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा की छहमाही परीक्षाएं 7 दिसंबर से आयोजित की जाएंगी। इस बार बोर्ड कक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र जिला स्तर पर तैयार होंगे।
जिला शिक्षा कार्यालय दसवीं और बारहवीं के प्रश्नपत्र तैयार करेगा। इसके बाद इन्हें स्कूलों में पेपर शुरू होने के कुछ देर पहले ही व्हॉट्सऐप अथवा ईमेल के जरिए भेज दिया जाएगा। स्कूल इनके प्रिंट आउट निकालकर छात्रों को वितरित करेंगे। वहीं 9वीं और 11वीं के प्रश्नपत्र शाला स्तर पर ही तैयार होंगे। प्रश्नपत्र जिला स्तर पर तैयार किए जाएंगे, लेकिन इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर ही होगा।
छहमाही परीक्षाओं के लिए जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा समय-सारिणी जारी कर दी गई है। स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे परीक्षाओं का आयोजन निर्धारित समय-सारिणी में ही करें। नवमी और दसवीं की परीक्षाएं 7 दिसंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक चलेंगी, जबकि ग्यारहवीं और बारहवीं की परीक्षाएं 7 से 15 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी।
जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा छहमाही परीक्षाओं के प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए शिक्षकों का समूह तैयार किया गया है। इस कोर ग्रुप में विशेषज्ञ शिक्षकों को जगह दी गई है। शाला स्तर पर प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की स्थिति में प्रत्येक विद्यालय के प्रश्नपत्र का स्तर पृथक- पृथक होता है। इससे छात्रों का एक स्तर पर मूल्यांकन नहीं हो पाता है । वार्षिक परीक्षाओं के लिए योजना बनाने में इससे दिक्कतें आती हैं। इन सभी चीजों को देखते हुए फैसला लिया गया है कि सभी स्कूलों को एक समान प्रश्नपत्र वितरित किए जाएं, ताकि छात्रों का मूल्यांकन एक स्तर हो सके। इंग्लिश और हिंदी माध्यम विद्यालयों के लिए समय अलग-अलग रखा गया है । इंग्लिश माध्यम विद्यालयों की परीक्षाएं सुबह 8 से 11 बजे तक संचालित होंगी, जबकि हिंदी माध्यम विद्यालयों में परीक्षा का समय दोपहर 12 से 3 बजे तक रखा गया है।रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने बताया कि, यह व्यवस्था हमने गुणवत्ता के लिए की है। इससे विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन की वास्तविक स्थिति का ज्ञान हो सकेगा। इसके आधार पर हमें वार्षिक की तैयारी करने में भी मदद मिलेगी।

इलाज के दौरान मरीज की मौत

» हाई कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज करने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

बिलासपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी परमजीत सिंह छाबड़ा के पुत्र गोल्डी उर्फ गुरवीन सिंह छाबड़ा की अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान वर्ष 2016 में मौत हो गई थी. परमजीत सिंह ने पुलिस पर हाई कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज करने के बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है.
परमजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि गोल्डी के ईलाज के दौरान अपोलो अस्पताल के डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. राजीव लोचन भांजा, डॉ. सुनील कुमार केडिया और डॉ. मनोज राय द्वारा गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे उसकी मौत हो गई. अस्पताल प्रबंधन और जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ उच्च न्यायालय के हस्ताक्षेप के बाद सरकण्डा पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज किया गया. लेकिन मामले में पुलिस की जांच कछुए की चाल से चल रहा है. आज तक पुलिस ने लापरवाह डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं की गई है.
मृतक गोल्डी छाबड़ा के परिजनों ने अपोलो अस्पताल प्रबंधन और डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. राजीव लोचन भांजा, डॉ. सुनील कुमार केडिया, डॉ. मनोज राय को चिकित्सकीय ईलाज के लिए दिए गए लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए दोषियों पर कठोर विधिक कार्रवाई की मांग की गई है, जिससे फिर किसी गोल्डी छाबड़ा को चिकित्सकीय लापरवाही से अपने प्राणों की आहूति ना देनी पड़े.

ब्लास्ट की तैयारी कर रहा था आतंकी

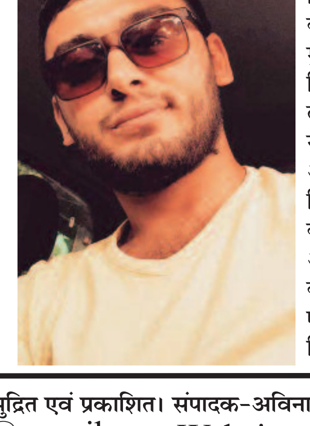

दुर्ग/लखनऊ,10 नवम्बर 2023(ए)। बीते दिनों मुंबई से गिरफ्तार हुए शाहनवाज और रिजवान की पूछताछ के आधार पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में बैठ भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की तैयारी कर रहे लोगों की गिरफ्तारी का दौर जारी है. 3 नवंबर को अलीगढ़ से अब्दुल्लाह अर्सलान और माज बिन तारिक की गिरफ्तारी के बाद छत्तीसगढ़ से एएमयू के पूर्व छात्र को गिरफ्तार किया है. ये आरोपी उत्तर प्रदेश में केमिकल ब्लास्ट करने की तैयारी कर रहा था. यूपी एटीएस की टीम आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ ले आई है।

ड्राइवर असीम दास और आरक्षक भीम 24 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल

रायपुर,10 नवम्बर 2023(ए)। महादेव सट्टा एप मामले में प्रवर्तन निदेशालय की रिमांड पर चल रहे कैश कोरियर असीम दास और उसके साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को 24 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। शुक्रवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया।2 नवंबर को ईडी ने असीम दास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार किया था। असीम दास और उसके साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को ईडी ने रिमांड में लिया था। बताते हैं कि दोनों से ईडी को कई रहस्यमय जानकारियां मिली हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)